संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 57
पृष्ठ 8
शुक्रवार
14 नवम्बर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कोयले से बने चारकोल फेस मास्क....

विचार- जोहरान ममदानी बनाम भारत ...

खेल- ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट...वो भी...

मुख्यमंत्री ने जनजाति भागीदारी उत्सव का किया शुभारंभ, बोले-

बिरसा मुंडा ने स्वाधीनता के लिए कठिन संघर्ष किया

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में जननायक बिरसा मुंडा के संघर्ष को नमन किया। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की 150वीं हैं। एक नवंबर से 15 नवंबर तक जनजाति गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजाति समाज अपनी परंपरा पर गर्व करते हुए मुख्यधारा में शामिल हो–इसी उद्देश्य से ये उत्सव मनाया जा रहा है। भागीदारी उत्सव में 22 राज्यों के विभिन्न जन–जातीय समाज के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। हस्तशिल्प, कला और व्यंजनों का मेला भी सजा है। सीएम ने कहा कि इस उत्सव के जरिये हम सब भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये वर्ष बहुत महत्वपूर्ण है। सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ बिरसा मुंडा का 150वीं जयंती वर्ष है। भगवान बिरसा मुंडा ने स्वाधीनता के लिए कठिन संघर्ष किया। उनका मानना था कि देश हमारा है तो राज भी हमारा ही होना चाहिए। यूपी में जनजाति समुदाय की जनसंख्या कुल आबादी की तुलना में कम है। पहले यहां नौकरियों में जनजाति समुदाय की सीटें खाली रह जाती थीं। लेकिन अब यूपी पुलिस भर्ती में जनजाति समाज की सीटें भरी हैं। खुशी की बात है कि शिक्षा में भी उनकी भागीदारी बढ़ रही है। हमारी सरकार ने यह प्रण लिया है कि समाज को उनके अधिकार मिले। योजनाओं का भरपूर लाभ मिले। जनजाति भागीदारी उत्सव शुरू हो गया है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इसका उद्घाटन सीएम योगी ने ढोल बजाकर किया। उनके ढोल बजाने पर पास खड़े जनजातीय समुदाय के लोगों ने साथ में तालियां बजाईं। जनजाति भागीदारी उत्सव 18 नवंबर तक चलेगा। उत्सव में प्रवेश निशुल्क है। सीएम योगी ने उद्घाटन पर बिरसा मुंडा के बारे में बताया। उन्होंने कहा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के दौर में स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण लड़ाई लड़ी। उनका योगदान अहम है। उनकी जयंती मनाने का सौभाग्य हमें भी मिला है। यूपी सरकार ने जनजातीय लोगों के लिए कई काम किए। योगी ने कहा बिजनौर के 815 जनजाति परिवारों को हमने जनजाति के 145 पीएम आवास दिए। इसके साथ ही उनके लिए शुद्ध पेयजल, मोबाइल मेडिकल यूनिट, एक आंगनबाड़ी केंद्र, मोबाइल टावर, 5 मल्टीपरपज केंद्र और 5 वन धन केंद्र भी स्वीकृत किए जा चुके हैं। उनके लिए काम करना हमारा सौभाग्य है। सीएम योगी के उद्घाटन के बाद जनजातीय समुदाय के लोगों ने सामूहिक डांस किया। भगवान बिरसा मुंडा जैसी पगड़ी पहनकर थारू लोगों ने मृदंग बजाया तो महिलाएं थिरक उठीं। इसके बाद ग्रुप में एक युवक 5 फीट ऊंचे डंडों पर चलता हुआ आया। उसने डंडों पर ही खड़े होकर डांस किया। भागीदारी उत्सव में आदिवासी समुदायों की कला, संगीत, परंपराओं और जीवनशैली को प्रदर्शित किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में सीआईके की 13 स्थानों पर छापेमारी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) शाखा गुरुवार को दिल्ली बम विस्फोट मामले की जांच के सिलसिले में घाटी में लगभग 13 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि सीआईके और आपराधिक जाँच विभाग (सीआईडी) संयुक्त रूप से यह छापेमारी अभियान चला रहे हैं ताकि बड़ी साजिश का पता लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य विस्फोट की साजिश से जुड़े संदिग्ध व्यक्तियों और जैश–ए–मुहम्मद की संलिप्तता का पता लगाना है। अभियान से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ष्कई टीमें काम पर हैं और घाटी में 13 स्थानों पर तलाशी जारी है। जल्द ही लोगों को हिरासत में लिया जाएगा और बरामदगी की जाएगी।ष उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी बाद में साझा की जाएगी।

नसबंदी अभियान फेल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की उड़ाई धज्जियां

धार, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद मध्यप्रदेश के धार शहर में आवारा कुत्तों और मवेशियों पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस योजना नहीं बन पाई है। नगर पालिका द्वारा शुरू किया गया नसबंदी अभियान अधूरा रह गया है। पहले चरण में चार हजार आवारा कुत्तों में से 500 की नसबंदी का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन मात्र 300 कुत्तों की ही नसबंदी हो सकी और पिछले दो माह से यह काम पूरी तरह बंद पड़ा है।शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर इन दिनों मवेशियों का जमावड़ा बना हुआ है। मांडू रोड, इंदौर रोड और किला रोड पर अक्सर मवेशी सड़क पर आ जाते हैं, जिससे यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। बताया जाता है कि शहर में चार हजार से अधिक कुत्ते हैं, जो पिछले 10 माह में 2,605 लोगों को काट चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 2,962 थी। नगर पालिका ने इस समस्या से निपटने के लिए 5

लाख रुपये की लागत से 500 कुत्तों की नसबंदी कराने का प्लान बनाया था, जो अब विफल हो गया है। मवेशियों को नियंत्रित करने के लिए शहर में गोशालाओं में पर्याप्त जगह होने के बावजूद कोई धरपकड़ नहीं की जा रही। पुलिस लाइन के पास स्थित गोशाला में 500 मवेशियों को रखने की क्षमता है, जबकि वहां फिलहाल केवल 125 गाय हैं। लक्ष्मी गोशाला में भी पर्याप्त जगह उपलब्ध है, लेकिन उपयोग नहीं हो रहा। वहीं पशु विभाग परिसर में बना शेल्टर हाउस भी बंद पड़ा है। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर भी पर्याप्त जगह उपलब्ध है, जहां कुत्तों को रखने की व्यवस्था की जा सकती है, पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। पशु विभाग के अधिकारी रविंद्र राठी ने बताया कि कुत्तों को पकड़ने का काम नगर पालिका करती है और विभाग केवल सहायता करता है।

सरकार की नाकामी से हुआ दिल्ली धमाका : अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में हुए बम धमाके को सरकार की बहुत बड़ी नाकामी करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि खुफिया तंत्र पूरी तरह विफल हो गया, तभी ऐसी घटना हुई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देख रही है। यादव बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचे जहां वह विधायक अता–उर–रहमान की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि ऐसे मौकों पर आने से लोगों से मिलने और विचार साझा करने का अवसर मिलता है। यादव ने बाद में यहां प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश की अर्थव्यवस्था को चीन के हाथों सौंप चुकी है। सपा प्रमुख ने कहा,"सरकार स्वदेशी की बात करती है, लेकिन पूरी अर्थव्यवस्था चीन के कब्जे में है। बाजारों में चीनी सामान हावी है।" निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारों पर काम करने का आरोप लगाते हुए यादव ने दावा किया, "रामपुर और कुंदरकी में हजारों लोगों को वोट डालने नहीं दिया गया। पुलिस ने लोगों को घरों से निकलने से रोका। हमने निर्वाचन आयोग से शिकायत की, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया।" सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी न्यू इंडिया विजन को लेकर आगे बढ़ रही है और बरेली के विकास के लिए विशेष घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महंगाई, यातायात और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से जनता परेशान है, लेकिन सरकार जनता का ध्यान इनसे हटाने की कोशिश कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "भाजपा वाले भगवान से ऊपर हो गए हैं... मुख्यमंत्री ने कोई नया कारखाना नहीं लगाया, बस बिजली महंगी कर दी। गरीब आज शादी–ब्याह और सोना खरीदने तक में असमर्थ हो गया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वाले ही असली भू–माफिया हैं जो गरीबों की जमीन और संपत्ति हड़प रहे हैं। यादव ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब अपनी कुर्सी हिलती देख लेते हैं तो सांप्रदायिक हो जाते हैं।

भूपेश बघेल को बड़ा झटका! शराब घोटाले में बेटे चैतन्य की 61 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जाँच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क कर ली है। कुर्क की गई संपत्तियों में 59.96 करोड़ रुपये मूल्य के 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियाँ, साथ ही बैंक बैलेंस और सावधि जमा के रूप में 1.24 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियाँ शामिल हैं। ये संपत्तियाँ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ज़ब्त की गईं। 61.20 करोड़ रुपये की वर्तमान कुर्की, लगभग 215 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों की पूर्व की कुर्कियों के क्रम में है। ईडी के छत्तीसगढ़ जोनल कार्यालय ने 10 नवंबर को इन संपत्तियों को जब्त कर लिया, जो राज्य में शराब घोटाले में भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत छत्तीसगढ़ की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई जांच के हिस्से के रूप में थी।

मतगणना से पहले तेजस्वी की उम्मीदवारों संग बैठक, बोले-

किसी गड़बड़ी से निपटने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की 14 नवंबर को होने वाली मतगणना से पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने पार्टी के उम्मीदवारों और जिला स्तर के पार्टी पदाधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन बैठक की, जिसमें मतगणना से संबंधित दिशा–निर्देशों और मतगणना प्रक्रिया की तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। कथित चुनावी गड़बड़ी के आरोप दोहराते हुए, राजद नेता ने कहा कि पार्टी, बिहार की जनता के साथ, किसी भी प्रकार की अनुचित असंवैधानिक गतिविधि से निपटने के लिए पूरी तरह से सतर्क, सजग और उत्साह, आशा और विश्वास के साथ तैयार है। तेजस्वी यादव ने हिंदी में एक्स पर पोस्ट किया कि कल रात पार्टी प्रत्याशियों और जिला संगठन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए मतगणना से जुड़े दिशा–निर्देशों और मतगणना प्रक्रिया की तैयारियों पर गहन चर्चा हुई। 6 नवंबर और 11 नवंबर को हुए 243 सीटों वाले बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना शुक्रवार, 14 नवंबर को होगी। उसी शाम विजेता की घोषणा की जाएगी, जिससे लगभग एक महीने से चल रहा चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। देश में दो दशकों में यह पहला विधानसभा चुनाव है जो मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ऐ) के बाद कराया गया। किसी भी असंवैधानिक गतिविधि से निपटने के लिए तैयार रहने की बात करते हुए, राजद नेता ने कहा कि लोकतंत्र की जन्मभूमि बिहार की न्यायप्रिय जनता और बिहार व संविधान से प्रेम करने वाले सभी सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता सजग, सतर्क, सतर्क और किसी भी प्रकार की अनुचित असंवैधानिक गतिविधि से निपटने के लिए उत्साह, आशा और विश्वास के साथ पूरी तरह सक्षम, जागरूक और तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और बिहारी लोग लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले, पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि 14 नवंबर को होने वाली मतगणना से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों में हेरफेर करने की कोशिश की जा सकती है। यादव के अनुसार, एनडीए मतगणना को धीमा करने के लिए सभी प्रयास करेगाध्और षेकतंत्र की हत्या करने की कोशिश करते हुए षेगों में भय पैदा करनेष्की कोशिश करेगा।

बाराबंकी में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 2 की मौत, तीन घायल

बाराबंकी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना टिकैत नगर स्थित सरायबरई गाँव में हुई। अयोध्या के आईजी प्रवीण कुमार विस्फोट के कारणों की जाँच के लिए मौके पर पहुँचे। धमाका इतना ज़ोरदार था कि इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुँच गईं और बचाव एवं राहत कार्य शुरू कर दिया। ज़िला मजिस्ट्रेट (डीएम), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी स्थिति का जायज़ा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुँचे। दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद, उत्तर प्रदेश के सभी सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा अलर्ट जारी होते ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। सरकार के निर्देशों पर अमल करते हुए, सभी जिलों की सीमाओं, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर जाँच अभियान तेज़ कर दिया गया है। बैरिकेड्स लगाकर संदिग्ध वाहनों, यात्रियों और पैदल यात्रियों की गहन तलाशी ली जा रही है।

बिहार चुनाव में 'वोट चोरी' का महाघोटाला : संजय सिंह ने भाजपा और चुनाव आयोग पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर चुनावी गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि लगभग 80 लाख वोट चोरी किए गए। उन्होंने भाजपा पर इस धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप लगाया। 14 नवंबर को घोषित होने वाले नतीजों से पहले एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि वोटों में कथित हेराफेरी का चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। सिंह ने कहा कि हमें 14 नवंबर को नतीजों का इंतज़ार करना होगा। मैं एक बात स्पष्ट रूप से कह रहा हूँ कि वोट चोरी का इस चुनाव पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार में 80 लाख वोट चुराए गए। 80 लाख मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित किया गया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मृत व्यक्तियों और उन लोगों के नाम पर फर्जी फॉर्म जमा किए गए जो कभी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने इसे चुनाव आयोग और भाजपा नेताओं से जुड़ा एक घोटाला करार दिया। आप सांसद ने दावा किया कि हमने देखा कि चुनाव से पहले कैसे मरे हुए लोगों के हस्ताक्षरों के साथ फॉर्म जमा किए जा रहे थे। ऐसे लोगों के हस्ताक्षरों के साथ फॉर्म जमा किए जा रहे थे जो चुनाव में शामिल भी नहीं हुए थे। इस तरह यह घोटाला सामने आया है और ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरी भाजपा इसमें शामिल है। सिंह ने आगे कहा कि इस तरह की कथित अनियमितताएँ राज्य में चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी पर सवाल उठाती हैं और चुनाव आयोग तथा केंद्र सरकार से जवाबदेही की माँग करती हैं। 6 और 11 नवंबर को हुए 243 सीटों वाले बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना कल होनी है। विजेता की घोषणा उसी शाम की जाएगी, जिसके साथ लगभग एक महीने से चल रहा चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा।

सूरजकुंड में सोमवार को उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को हरियाणा में फरीदाबाद के सूरजकुंड में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में आठ राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री , उप राज्यपाल तथा मुख्य सचिव भाग लेंगे। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान , हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख तथा चंडीगढ़ शामिल हैं। यह बैठक गृह मंत्रालय के अंतर्गत अंतर–राज्यीय परिषद सचिवालय द्वारा हरियाणा सरकार के सहयोग से आयोजित की जा रही है। हरियाणा की ओर से बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 की धारा 15–22 के अंतर्गत वर्ष 1957 में पांच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री इन पांच क्षेत्रीय परिषदों के

अध्यक्ष हैं, जबकि संबंधित क्षेत्रीय परिषद में शामिल राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक, उपराज्यपाल इसके सदस्य हैं जिनमें से एक राज्य प्रत्येक वर्ष बारी–बारी से उपाध्यक्ष होता है।

डीएनए परीक्षण से डॉ. उमर नबी के विस्फोटक वाली कार में होने की पुष्टि हुई

नयी दिल्ली, एजेंसी। डीएनए परीक्षण से पुष्टि हो गयी है कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास जिस कार में विस्फोट में हुआ था उसे डॉ. उमर नबी ही चला रहा था क्योंकि उसके स्टीयरिंग व्हील में मिले पैर के हिस्से और नबी की मां के डीएनए नमूने आपस में मिल रहे है। दिल्ली पुलिस के अनुसार नबी की माँ के डीएनए नमूने और नबी के पैर के डीएनए आपस में मैच हो रहे हैं। जांचकर्ताओं को यह सफलता तब मिली जब डॉ. नबी का पैर कार के स्टीयरिंग व्हील और एक्सीलेटर के बीच फंसा हुआ पाया गया। इससे संकेत मिलता है कि विस्फोट के समय वह कार चला रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, कुल 21 जैविक नमूने जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी

(एफएसएल) भेजे गए थे। लाल किला विस्फोट में मुख्य संदिग्ध सहित कुल 12 लोगों की मौत हुई थी। शेष नमूने अन्य पीड़ितों के जैविक अवशेषों और आसपास के क्षतिग्रस्त, वाहनों विस्फोट से प्रभावित कारें और एक ई–रिक्शा से एकत्र किए गए थे। एफएसएल ने डॉ. नबी की पहचान की पुष्टि के लिए उसकी माँ से डीएनए नमूने एकत्र किए। वह 10 नवंबर की शाम को लाल किले के पास हुए विस्फोट में शामिल कार चला रहा था जिसमें 12 लोग मारे गए है और कई अन्य घायल हुए । दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, डॉ. नबी को दिल्ली की ओर जाने से पहले मुंबई एक्सप्रेसवे और कुंडली–मानेसर–पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर भी वाहन के साथ देखा गया था। जाँच एजेंसियाँ वाहन की गतिविधियों की विस्तार से जाँच कर रही हैं। इस बीच विस्फोट स्थल से 500 मीटर के दायरे में एक बाज़ार के गेट की छत पर एक कटा हुआ हाथ भी मिला, जिससे जाँच और तेज़ हो गई है। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि आज सुबह अस्पताल में एक और पीड़ित ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में अधिकारियों ने अल फलाह विश्वविद्यालय स्थित कमरों से डॉ. नबी और डॉ. मुजम्मिल की डायरियाँ बरामद की हैं। एक पुलिस सूत्र ने बताया, ष्ये डायरियाँ मंगलवार और बुधवार को अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर के अंदर से मिलीं।

प्रयागराज रामबाग में जीआरपी का सघन चेकिंग अभियान

प्रयागराज (संवाददाता)। दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियाँ अलर्ट पर हैं। इसी क्रम में संगम नगरी प्रयागराज में रेलवे सुरक्षा बल (जीआरपी) और स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया। थाना रामबाग क्षेत्र के रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में जीआरपी टीम ने निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अभियान के दौरान पुलिस ने रेलवे ट्रैक किनारे बनी झुग्गी–झोपड़ियों और अस्थायी बस्तियों में जाकर लोगों से पूछताछ की तथा उनकी पहचान की जानकारी एकत्र की। पुलिस ने बताया कि इन इलाकों में कई बार बाहरी लोग आकर ठहरते हैं, जिनकी गतिविधियों पर अब विशेष नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोगों से बातचीत के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि रात के समय कुछ नशेड़ी आउटर पर खड़ी ट्रेनों के पास घूमते हैं और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। इन घटनाओं की रोकथाम के लिए जीआरपी ने इन इलाकों में निगरानी बढ़ाने और स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस ने स्टेशन के किनारे झोपडी खाली करने के निर्देश दिए है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली विस्फोट की घटना के बाद पूरे शहर के रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म, टिकट काउंटर, वेटिंग हॉल और पार्सल क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हर आने–जाने वाले व्यक्ति की गहन चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही स्टेशन के आउटर इलाकों में रात के समय विशेष गश्त बढ़ाई गई है ताकि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा सके। जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान पुलिस के पहुंचने से झुग्गी–झोपड़ी वाले क्षेत्रों में हलचल मच गई और कई लोगों से पूछताछ भी की गई। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आउटर पर खड़ी ट्रेनों में चोरी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए विशेष टीम बनाई गई है।

प्रयागराज पुलिस ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत चलाया अभियान

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज पुलिस आयुक्त प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सशक्त करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना जार्ज टाउन क्षेत्र में गठित एंटी रोमियो स्क्वाड एवं महिला बीट अधिकारियों की टीम ने भीड़भाड़ वाले स्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों में जाकर छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा संबंधी अधिकारों की जानकारी दी। इस टीम में एसआई दिव्या गुप्ता के साथ महिला कांस्टेबल अंजली बघेल और कांस्टेबल कोमल वर्मा शामिल रहीं। टीम ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें विभिन्न महिला सुरक्षा कानूनों, हेल्पलाइन नंबरों और आत्मरक्षा के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। अभियान के दौरान महिलाओं को वूमेन पावर लाइन–1090, आपातकालीन सेवा यूपी–112, चाइल्ड हेल्पलाइन–1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन–1076, स्वास्थ्य सेवा–102, एम्बुलेंस–108 और साइबर क्राइम–1930 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने महिलाओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों के माध्यम से तुरंत मदद प्राप्त की जा सकती है। मिशन शक्ति केंद्र और एंटी रोमियो स्क्वाड की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा से जुड़ी व्यावहारिक जानकारियाँ भी दीं। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस कर्मियों ने कहा कि हर महिला को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुरक्षा की स्थिति में बिना झिझक पुलिस से संपर्क करना चाहिए।

ओलंपियाड 2025-26 का परीक्षा परिणाम जारी

प्रयागराज (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में गणित विषय के प्रति आकर्षण एवं रुझान को बढ़ाने के लिए जनपद स्तरीय गणित ओलंपियाड का आयोजन डायट में 13 नवंबर को हुआ था, जिसका परीक्षाफल आज बुधवार को जारी कर दिया गया है। प्रतिभागी छात्रों के परीक्षा परिणाम को डायट प्रयागराज के डैशबोर्ड पर चस्पा किया गया है, संबंधित छात्र अपने प्राप्तांक को देख सकते हैं। डायट प्राचार्य राजेंद्र प्रताप ने बताया कि गणित ओलंपियाड का आयोजन विद्यालय, ब्लॉक एवं जनपद तीनों स्तर पर किया गया था। विद्यालय स्तर से चयनित छात्र ब्लॉक स्तर पर तथा ब्लॉक स्तर पर चयनित छात्र जनपद स्तर पर प्रतिभाग किए। जनपद स्तरीय ओलंपियाड का आयोजन डायट प्रयागराज में हुआ था। जिसमे कक्षा छठवीं से आठवीं तक कुल 202 छात्र रहे जिसमें 109 बालक और 93 बालिकाओं ने ब्लॉक से चयनित होकर जनपद स्तर पर प्रतिभाग किया था। इस त्रिस्तरीय परीक्षा पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्नपत्र और तीनों स्तर की परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों का निर्माण एवं परीक्षा आयोजन समय सारणी डायट प्रयागराज द्वारा तैयार किया गया था। विद्यालय, ब्लॉक और जनपद स्तर की परीक्षा अलग अलग तिथियों में सुचिता पूर्वक आयोजित हुई थी। डायट प्राचार्य राजेंद्र प्रताप ने बताया, जनपद पर चयनित किए गए छात्रों को 14 नवंबर, बाल दिवस के अवसर पर डायट प्रयागराज में सम्मानित किया जाएगा। डायट प्राचार्य ने अंत में कहा कि इसी प्रकार अन्य विषय विज्ञान, अंग्रेजी एवं सामाजिक विषय के ओलंपियाड का आयोजन किया जा चुका है जिनके रिजल्ट अतिशीघ्र संस्थान से जारी कर दिया जाएगा। इस ओलंपियाड के आयोजन में डायट के गणित प्रवक्ता अखिलेश कुमार सिंह का अथक परिश्रम शामिल है।

रिटायर बैंक मैनेजर पर चापड़ से हमला, हालत नाजुक

दो हमलावरों ने घर में घुसकर की वारदात, SRN अस्पताल में भर्ती।

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के करेली भावापुर में सनसनीखेज वारदात हुई, जहां दो बदमाशों ने घर में घुसकर सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर राजकुमार मिश्रा (72) पर चापड़ से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजकुमार मिश्रा को लहूलुहान हालत में एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, राजकुमार मिश्रा अपने घर में अकेले थे। उनके चार बेटे हैंकृ एक की मौत हो चुकी है, जबकि दो बेटे बाहर नौकरी करते हैं और बड़ा बेटा अपनी पत्नी के साथ पठानकोट गया हुआ है। बताया जा रहा है कि वारदात से कुछ देर पहले पड़ोस का एक युवक उनके घर आया था और परफ्यूम लेने के बहाने दरवाजा खुलवाया था।

इसी दौरान मौका पाकर दो हमलावर घर में घुस आए और राजकुमार मिश्रा पर चापड़ से हमला कर दिया। उनकी चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल बैंक मैनेजर को तुरंत अस्पताल भिजवाया। करेली थाना प्रभारी दिनेश शुक्ला ने बताया कि दो हमलावरों ने वारदात को अंजाम दिया है। दोनों की तलाश जारी है और पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस का मानना है कि बदमाश चोरी की नीयत से घर में घुसे थे। राजकुमार मिश्रा के जागने पर उन्होंने हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने हादसा बताया, कोर्ट ने कहा

एफआईआर दर्ज करें, प्रयागराज में पत्नी ने दी थी अर्जी, युवक की छत से गिरकर मौत हुई थी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के अल्लापुर में रहस्यमय हाल में छत से गिरकर 35 साल के सुशील कुमार की मौत के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। इस मामले में एफआईआर दर्ज होगी। पुलिस ने इसे हादसा बताया था जबकि परिवारवालों ने हत्या का आरोप लगाया था। पत्नी रेखा साकेत ने इस मामले में कोर्ट में अर्जी देकर गुहार लगाई थी।

पत्नी ने ने प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि उसका पति सुशील कुमार साकेत काम करने के लिए प्रयागराज आया था और अल्लापुर में रविलेश उर्फ छोट्टा के साथ किराए के मकान में रहता था। एक जून 2025 की शाम दोनों में किसी बात पर विवाद हुआ। इसके बाद विपक्षी रविलेश ने जबरदस्ती सुशील को भीमसेन साकेत के कमरे में ले जाकर पिन्टू साकेत और मोहित साकेत के साथ मिलकर मारपीट की।

रेखा के मुताबिक, उसके पति ने फोन पर उसे इस घटना की जानकारी दी, लेकिन कुछ देर बाद फोन बंद हो गया। आरोप है कि मारपीट के बाद विपक्षीगण ने शराब और मुर्गा खाने के बाद रात करीब तीन बजे सुशील की हत्या कर उसे सौरभ जिम की बिल्डिंग के नीचे फेंक दिया। सुबह 2 जून 2025 को सुबह करीब 7:15 बजे परिजन को फोन पर जानकारी दी गई कि सुशील की लाश स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में है।

मामले में अदालत के आदेश पर सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज ने जांच रिपोर्ट 29 अक्टूबर को दाखिल की। रिपोर्ट में कहा गया कि सुशील कुमार साकेत अल्लापुर स्थित सौरभ जिम बिल्डिंग की छत पर तंबू लगाकर रहते थे। छत पर रेलिंग न होने की वजह से वह रात में नीचे गिर गए, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट में सीसीटीवी फुटेज का भी जिक्र है, जिसमें सुशील को छत से गिरते हुए देखा गया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पत्रावली और दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद कहा कि मृतक की मृत्यु संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में चोटों का उल्लेख है और सही तथ्य का पता केवल पुलिस जांच से ही चल सकता है। मामले की परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने माना कि प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध बनता है। इसलिए थाना जार्जटाउन पुलिस FIR दर्ज कर विवेचना करे।

विसरा रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराने का आदेश, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा

अधूरी विवेचना कर चार्जशीट दाखिल करना सही नहीं

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिना विसरा रिपोर्ट के चार्जशीट दाखिल करने पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि अधूरी विवेचना कर मृत्यु का कारण जाने बगैर पुलिस चार्जशीट दाखिल करना सही नहीं है। कोर्ट ने मुख्य सचिव, कळ्च व प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य को विसरा की फोरेंसिक जांच रिपोर्ट विवेचक को समय से उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने कहा है कि विवेचना अधिकारियों को समय पर विसरा रिपोर्ट मिलनी चाहिए। न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ ने दहेज हत्या मामले में आरोपित फर्रुखाबाद निवासी रामरतन की जमानत अर्जी खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

कोर्ट ने फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) से विसरा रिपोर्ट जांच एजेंसियों तक पहुंचाने में हो रही देरी पर गहरी चिंता व्यक्त की और इस चूक को शचिंताजनकश बताया। साथ ही मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक तथा महानिदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) को स्थिति की जांच करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि विसरा रिपोर्ट बिना किसी समय की बर्बादी के शीघ्रता से प्रेषित की जाए ताकि जांच के दौरान पूर्ण, उचित और प्रभावी मूल्यांकन संभव हो सके।

एकल न्यायाधीश ने कहा कि मृतक का विसरा फरवरी 2024 में झांसी स्थित प्रयोगशाला भेजा गया था और सितंबर 2024 में तैयार किया गया था, लेकिन रिपोर्ट पहली फरवरी, 2025 तक जांच अधिकारी को प्राप्त नहीं हुई। उसके बाद ही केस डायरी में संलग्न की गई जबकि आरोप पत्र 13 सितंबर, 2024 को ही दाखिल किया जा चुका था और विसरा रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले ही 11 नवंबर, 2024 को संज्ञान ले लिया गया था।

न्यायमूर्ति गोपाल ने कहा, तथ्य परेशान करने वाला है। ष्फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं द्वारा विसरा रिपोर्ट को जांच एजेंसी के विचारार्थ शीघ्रता से भेजने की प्रक्रिया होनी चाहिए।ष मामले की जांच विसरा रिपोर्ट प्राप्त किए बिना ही पूरी कर ली गई और आरोप–पत्र दाखिल कर दिया गया।

इससे यह स्पष्ट होता है कि जहां तक मृतक की मृत्यु के कारण का प्रश्न है, वह निर्णायक नहीं था। इस देरी से यह भी पता चलता है कि जांच किसी न किसी रूप में अधूरी थी। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे महत्वपूर्ण साक्ष्य समय रहते जांच एजेंसी के पास होना चाहिए ताकि किसी उचित निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके। कोर्ट ने अफसरों के लिए निर्देश जारी किए कि वे अधूरी जांच से बचने के लिए विसरा रिपोर्ट बिना किसी समय की बर्बादी के प्रेषित कराने की व्यवस्था कराएं। न्यायालय ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को आवश्यक कार्रवाई के लिए एक सप्ताह के भीतर संबंधित अधिकारियों को इस आदेश से अवगत कराने का भी निर्देश दिया।

मुकदमे से जुड़े तथ्य यह हैं कि घटना की प्राथमिकी मृतका प्रेमलता के भाई अटल बिहारी द्वारा थाना मोहम्मदाबाद में दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि बहन को उसके पति रामरतन और ससुर मुन्ना लाल और सास रानी देवी द्वारा मोटरसाइकिल और एक लाख रुपए की दहेज की मांग को लेकर परेशान और प्रताड़ित किया जा रहा था और बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में चार फरवरी 2024 को मृत्यु हो गई। बहन के चेहरे, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान थे।

प्रयागराज जंक्शन से 8 हजार से ज्यादा टिकट रद्द

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में बीते दो दिनों में 30 हजार से ज्यादा आरक्षित टिकट रद्द हुए हैं। सिर्फ प्रयागराज जंक्शन से ही 8,000 से अधिक टिकटों का कैंसिलेशन दर्ज किया गया है।दिल्ली में हुए कार धमाकों के बाद सबसे ज्यादा प्रभाव प्रयागराज से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों पर पड़ा है।

वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत, प्रयागराज–नई दिल्ली हमसफर जैसी वीआईपी ट्रेनों में अब सीटें आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। बुधवार शाम 6रू30 बजे तक वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत की चेयरकार श्रेणी में 246 सीटें खाली थीं। जबकि हमसफर एक्सप्रेस में तत्काल कोटे में 165 बर्थ उपलब्ध थीं। जो सामान्य दिनों में अजीब स्थिति है।

14 नवंबर की स्थिति के अनुसार 22435 वंदे भारत में 444 और सुबह वाली सेवा में 543 सीटें खाली दर्शाई गईं। रेलवे रिकॉर्ड के मुताबिक, 10 और 11 नवंबर को प्रयागराज मंडल में कुल 30,909 आरक्षित टिकट रद्द हुए, जिनमें अकेले प्रयागराज जंक्शन से 8,106 टिकट शामिल रहे। 11 नवंबर को ही 4,022 टिकट निरस्त हुए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरपीएफ और जीआरपी ने प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, सूबेदारगंज, संगम और प्रयाग स्टेशन पर सघन जांच अभियान चलाया। स्टेशनों के प्रतीक्षालय, विश्रामालय और सरकुलेटिंग एरिया की जांच की गई तथा स्निफर डॉग की मदद से ट्रेनों की जांच भी की गई। आरपीएफ प्रभारी अमित मीणा ने बताया कि बुधवार को कई चरणों में चेकिंग अभियान चला और यह आगे भी जारी रहेगा।

प्रयागराज में नहर पुलिया टूटी, ट्रैक्टर चालक की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज जनपद के हंडिया तहसील क्षेत्र के धनुपुर में एक नहर पुलिया टूटने से ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। यह हादसा आज सुबह करीब 10रू30 बजे हुआ, जब एक ट्रैक्टर नहर में गिर गया। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर चालक ईंटों से भरा ट्रैक्टर लेकर कुकढा से मंदर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह मंदर पुलिया पार करने वाला था, पुलिया अचानक टूट गई। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर सहित नहर में जा गिरा। इस घटना में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिया टूटने और ट्रैक्टर के नहर में गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्काल हंडिया पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर हंडिया नितेंद्र शुक्ला पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रज्जू भैया विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया 17 नवंबर से

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश 2025 (लेवल–2) के लिए दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार की तिथियों की घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह प्रक्रिया 17 से 21 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। साक्षात्कार सत्र की शुरुआत 17 नवंबर को वाणिज्य, रक्षा एवं रणनीति अध्ययन, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र और गृह विज्ञान विषयों के अभ्यर्थियों के साथ होगी। 18 नवंबर को प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र और अंग्रेजी विषय के उम्मीदवारों का साक्षात्कार होगा। 19 नवंबर को संस्कृत, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास और भूगोल के अभ्यर्थियों का इंटरव्यू निर्धारित है। राजनीति विज्ञान और हिंदी विषय के अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 19 और 20 नवंबर को होंगे। अंतिम चरण में, 20 से 21 नवंबर के बीच भौतिकी, रसायन, गणित, वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र विषयों के उम्मीदवारों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रवेश प्रभारी प्रो. विवेक कुमार सिंह ने बताया कि कुल 24 विषयों की लगभग 250 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने अभ्यर्थियों को सूचित किया है कि वे अपने सभी शैक्षणिक दस्तावेजों के मूल प्रमाणपत्र और उनकी स्वप्रमाणित प्रतियां साथ लाएं। निर्धारित समय पर उपस्थिति अनिवार्य है, अन्यथा उन्हें प्रवेश प्रक्रिया से बाहर किया जा सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि पीएचडी प्रवेश 2025 की प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

बिजली बिल के बकाएदारों को मिलेगी 25 फीसदी तक छूट

प्रयागराज (संवाददाता)। बिजली बिल कभी नहीं जमा करने वाले और लंबे समय से बिजली बिल के बकाएदारों को ऊर्जा विभाग की ओर से बड़ी राहत प्रदान की गई है। ऊर्जा विभाग ने दिसंबर में बिल जमा करने वालों को बकाए रकम पर 25 प्रतिशत तक छूट देने का ऐलान किया है। वहीं ब्याज पर शतप्रतिशत छूट की घोषणा की है। ये स्कीम तीन महीने चलेगी। हालांकि जनवरी में मूल बकाए पर 20 तो फरवरी में 15ः ही छूट मिलेगी। ऊर्जा विभाग की ओर से बताया गया है कि सरकार ये स्कीम 1 दिसंबर से शुरू करने जा रही है। इस स्कीम में नियमित बिल जमा करने वालों को कोई छूट नहीं मिलेगी। सरकार दो तरह के बकाएदारों को छूट देने जा रही है। पहला नेवर पेड (कभी बिजली बिल नहीं जमा करने वाले) और दूसरा लांग अनपेड (लंबे समय से बिल नहीं देने वाले उपभोक्ताओं) वाले उपभोक्ता इस छूट के हकदार होंगे। इस स्कीम का लाभ दो किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ता और 1 केवी तक के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को मिलेगा। बिजली चोरी से संबंधित मामलों में तय की गई राशि पर धनराशि पर भी छूट दी जाएगी। इससे उन उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो तकनीकी या मीटर संबंधी त्रुटियों के कारण बिजली चोरी के विवादों में फंसे हैं। गरीब और मध्यवर्गीय बिजली उपभोक्ताओं को बकाए का भुगतान मासिक किस्तों में जमा करने की सुविधा दी गई है। वे 500 और 750 रुपए की मासिक किस्त या ईएमआई में भुगतान का विकल्प चुन सकेंगे। इन्हें भी ब्याज पर शतप्रतिशत छूट मिलेगी। जबकि 31 मार्च 2025 के मूल बकाए पर 10 और 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। योजना अवधि में ओवर बिलिंग व अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का संशोधन भी किया जाएगा। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट के साथ खंडउपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र के साथ कैश काउंटर पर इसका पंजीकरण करा सकेंगे। बिजली बिल राहत योजनादृ2025 के तहत बिजली चोरी के प्रकरण में शामिल उपभोक्ताओं को राजस्व में छूट प्राप्त करने के लिए अपना पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए दो हजार रुपए या राजस्व निर्धारण धनराशि का 10 प्रतिशत जो भी अधिक हो का भुगतान करना होगा। प्रदेश में दो किलोवाट भार के घरेलू और 1 किलोवाट के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं में कभी भी बिजली बिल न जमा करने वाले 54.12 लाख और लंबे समय से बिल न भरने वाले 91.45 लाख उपभोक्ता हैं। इन 1.45 करोड़ उपभोक्ताओं पर ब्याज सहित कुल 45,980 करोड़ रुपए का बकाया है।

एमएलसी ने सोरांव महोत्सव स्थल का जायजा लिया

प्रयागराज (संवाददाता)। सोरांव महोत्सव का आयोजन 14 से 16 नवंबर तक किया जाएगा। इस महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सुरेंद्र चौधरी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद व्यवस्थापकों को तत्काल आवश्यक प्रबंधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि यह सोरांव क्षेत्र के निवासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों से कलाकार और नेता शामिल होंगे। इससे क्षेत्र के लोगों को उनकी कला और विचारों को सुनने का अवसर मिलेगा। चौधारी ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर इसे सफल बनाएं। इस अवसर पर निलेश सिंह, एसीपी सोरांव श्याम जीत, एडीओ पंचायत मऊआइमा द्वारिका प्रसाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष शारदा प्रसाद शुक्ला, श्याम सुंदर मिश्रा, सुरेश मिश्रा, हर्ष कुमार, आनंद, शंभू नाथ पटेल और निमिष खत्री सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त

रोड एक्सीडेंट में बाइक सवार बुजुर्ग की मौत, बेटा घायल

लखनऊ, संवाददाता। इंटौजा थाना क्षेत्र में बेटी की शादी का कार्ड बांटने निकले बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत हो गई। बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। बुजुर्ग बेटी की शादी का कार्ड बांटकर घर लौट रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार बाप–बेटे घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। इटौंजा अटेसुआ के मुन्नू पुरवा गांव निवासी 60 वर्षीय परशुराम यादव की बेटी रोली की 25 नवंबर को शादी है। जिसकी तैयारी चल रही हैं। बुधवार शाम परशुराम बेटे सुभाष के साथ शादी के कार्ड बांटने निकले। रिश्तेदारों को कार्ड देकर रात करीब 8.30 बजे घर वापस लौट रहे थे। मानपुर मंडी के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। परशुराम व उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन्हें इलाज के लिए राम सागर मिश्रा संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान परशुराम की मौत हो गई। जबकि बेटे का इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद सारी खुशियां गम में बदल गईं। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है बेटी की शादी को लेकर परशुराम काफी खुश थे। उसकी विदाई से पहले इतनी दुखद घटना हो गई।

राजधानी के नामचीन मिठाई दुकानदारों की घटिया करतूत–एफएसडीए ने खोली पोल

राजधानीवासियों की सेहत से खेल रहे मिठाइयों के प्रतिष्ठित दुकानदार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में देशी घी की मिठाइयों के नाम पर उँचें–उँचें नामचीन दुकानदार मुनाफे के चक्कर में ग्राहकों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे है। खद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के द्वारा मारे गये छापों ने राजधानी के सभी प्रतिष्ठानों की पोल खोल कर रख दी है। एफएसडीए के आयुक्त के निर्देश पर राजधानी के दस प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों पर छापे मारने की कार्यवाही की गयी। जिसमे कुल इक्कीस नमूने लिये गये। साथ ही साफ–सफाई व स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया गया। लखनऊ से कानपुर तक चले इस विशेष अभियान में कुल 3664 किलो कीमत 1440000 का माल जब्त किया गया और नष्ट कराया गया। विशेष प्रवर्तन दल द्वारा छप्पन भोग, राधेलाल क्लासिक, रिट्ज स्वीट्स,, मोतीमहल, मधुरिमा, नीलकंठ, सियाराम, महालक्ष्मी, श्याम स्वाद, कंचन स्वाट्स आदि का गहन निरीक्षण किया जिसमे सभी के यहां हाईजीन व सेनेटरी की स्थिति काफी खराब पायी गयी। इनको सुधार के निर्देश दिये। साथ ही अधोमानक व खराब माल की जब्ती के साथ माल को नष्ट भी कराया। छप्पन भोग में माल की जब्ती के साथ दस किलो रंगीन पेठा नष्ट कराया। श्याम स्वाद के प्रतिष्ठान में तीन कुंतल काजू बरफी कीमत 360000 को नष्ट कराया। नीलकंठ में 255 किलों कीमत 229500 की मिठाइयों को नष्ट कराया। इसी प्रकार कंचन स्वीट्स में तीस किलों मिठाइयों का नष्ट कराया। वही महालक्ष्मी स्वीट्स में लाइसेंस न होने पर प्रतिष्ठान को बंद कराने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही मधुरिमा, सियाराम, राधेलाल छप्पन भोग आदि में गंदगी आदि पाये जाने पर नोटिस दिया गया। इसके पूर्व भी मधुरिमा अमीनाबाद में दीपावली पर सोन हलवे मे बाल पाये जाने की शिकायत सामने आयी थी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा की गयी इस कार्यवाही ने सभी प्रतिष्ठित मिठाई दुकानदारों की ईमानदारी की पोल खोल कर रख दी है। इस समय जब यह हाल है तो बीते हुए त्यौहारों पर इनका क्या हाल रहा होगा। और जब इन करोड़पतियों का यह हाल है तो छोटे दुकानदार ग्राहकों को क्या खिला रहे होगें।

फ्रेयर एनर्जी ने उत्तर प्रदेश में भारत की पहली इंटेलिजेंट सेल्फ–क्लीनिंग सोलर टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड हाइब्रिड सिस्टम लॉन्च किए

लखनऊ, संवाददाता। भारत की प्रमुख रेसिडेंशियल सोलर सॉल्यूशंस प्रदाताओं में से एक फ्रेयर एनर्जी ने आज उत्तर प्रदेश में अपने रणनीतिक विस्तार की घोषणा की है। इस अवसर पर कंपनी ने भारत की पहली इंटेलिजेंट सेल्फ–क्लीनिंग सोलर सिस्टम्स और नेक्स्ट–जेनरेशन हाइब्रिड सोलर सोलूशन्स लॉन्च किए। ये इनोवेशंस राज्य में डस्ट अक्यूम्यूलेशन की गंभीर चुनौती जो सोलर एफिशिएंसी को 30: तक कम कर सकती है और लगातार होने वाले पावर आउटेजेस जैसी समस्याओं का सीधा समाधान प्रस्तुत करते हैं। कंपनी का ग्राउंडब्रेकिंग इंटेलिजेंट सेल्फ–क्लीनिंग सोलर सिस्टम एडवांस्ड सेंसर–बेस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग करता है, जिसमें वॉटर–एफिशिएंट क्लीनिंग मैकेनिज़्म शामिल है जो अपने आप पैनल कार्यदक्षता को बनाए रखता है। भारत में इस तरह का यह पहला इनोवेशन है जो एनर्जी प्रोडक्शन को 5: तक बढ़ाता है, साथ ही मैनुअल मेंटेनेंस की जरूरत को खत्म करता है और पारंपरिक सफाई तरीकों की तुलना में वॉटर कंजम्पशन को 90: तक कम करता है। उत्तर प्रदेश के लिए, जहाँ डस्ट लेवल्स देश में सबसे अधिक हैं, यह टेक्नोलॉजी सोलर को एक मेंटेनेंस–इंटेंसिव इन्वेस्टमेंट से बदलकर एक सच्चा हैसल–फ्री एनर्जी सॉल्यूशन बना देती है। इस इनोवेशन को पूरक बनाते हुए, फ्रेयर एनर्जी के नेक्स्ट–जेनरेशन हाइब्रिड सोलर सिस्टम्स बिना किसी रुकावट के ऑन–ग्रिड फंक्शनैलिटी को बैटरी स्टोरेज के साथ जोड़ते हैं, जिससे ग्रिड फेल्योर के दौरान भी बिना रूकावट पावर सप्लाई सुनिश्चित होती है। ये सिस्टम्स इंटेलिजेंट एनर्जी मैनेजमेंट सक्षम करते हैं, जिससे उपयोगकर्ता सरप्लस पावर को पीक डिमांड पीरियड्स के लिए स्टोर कर सकते हैं, साथ ही इलेक्ट्रिसिटी बिल्स और ग्रिड डिपेंडेंसी में उल्लेखनीय कमी लाते हैं। "उत्तर प्रदेश भारत की सोलर रेवोल्यूशन में एक अहम मार्केट का प्रतिनिधित्व करता है," 'कहा फ्रेयर एनर्जी के को–फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सौरभ मर्दा ने'। "हमारी इंटेलिजेंट सेल्फ–क्लीनिंग टेक्नोलॉजी राज्य के धूल भरे वातावरण के लिए एक गेम–चेंजर है। हमारी हाइब्रिड सिस्टम्स के साथ मिलकर, हम सिर्फ मौजूदा चुनौतियों का समाधान नहीं कर रहे हैं हम सोलर को पहले से कहीं अधिक सुलभ और लाभदायक बना रहे हैं। केवल 3–4 साल की पे–बैक पीरियड और देश में सबसे अधिक गवर्नमेंट सब्सिडीज के साथ, उत्तर प्रदेश में गो सोलर करने का इससे बेहतर समय कभी नहीं रहा।" सौर ऊर्जा को और अधिक किफायती बनानारू अब उत्तर प्रदेश के निवासी लगभग 1 लाख रुपए की संयुक्त सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट सब्सिडी जो देश में सबसे अधिक है का लाभ उठा सकते हैं, जिससे सोलर एडॉप्शन पहले से कहीं अधिक किफायती हो गया है।

सनातन परंपरा के अनुरूप निराश्रित बाबा की तेरहवीं पूर्ण करेगा मदद फाउंडेशन

शहर समता।फुटपाथ पर जीवन की अंतिम सांस लेने वाले इन वृद्ध बाबा का अब धरती पर कोई सहारा नहीं बचा था। निराश्रित और एकाकी, जिनका न कोई अपना था और न ही कोई जान–पहचान, उनकी विदाई भी मानवीय संवेदना की एक मिसाल बन गई। पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से मदद फाउंडेशन इस अज्ञात बाबा की सेवा में समर्पित था। दो वक्त का भोजन, मौसमी वस्त्र, चिकित्सा सुविधाएं और हर छोटी–बड़ी आवश्यकता का समाधान, सब कुछ मदद फाउंडेशन के सहयोग पर निर्भर था।

बाबा के निधन के पश्चात उनकी अंतिम यात्रा भी मदद फाउंडेशन ने ही संभाली। सनातन परंपराओं के पूर्ण अनुपालन में दाह–संस्कार संपन्न कराया गया, जो संस्था की निष्ठा का प्रतीक है। अब, इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए, मदद फाउंडेशन की समर्पित टीम 16 नवंबर को बाबा की 13वीं का विधिवत आयोजन करेगी। यह श्राद्ध कर्म न केवल बाबा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना का माध्यम बनेगा, बल्कि समाज को यह संदेश भी देगा कि कोई अनाथ जीवन जी सकता है लेकिन अनाथ होकर मर नहीं सकता मदद फाउंडेशन जैसी संस्था ऐसे लोगों की सेवा में सदैव समर्पित है।

मदद फाउंडेशन का यह प्रयास निराश्रितों के प्रति उसके अटूट संकल्प को दर्शाता है, जो अंतिम संस्कार से लेकर श्राद्ध तक हर धार्मिक अनुष्ठान को सम्मानजनक ढंग से निभाता है। ऐसे कार्यों से समाज में एक नई आशा जागृत हो रही है, जहां कोई भी जीवन अकेला न रहे। आप भी चाहे तो हमारे इस नेक एवं पूर्ण कार्य में साथ जुड़ सकते हैं। उसके लिए आप फाउंडेशन के अध्यक्ष मंगला प्रसाद तिवारी एवं जिलाध्यक्ष अरविन्द पाण्डेय से संपर्क कर सकते हैं।

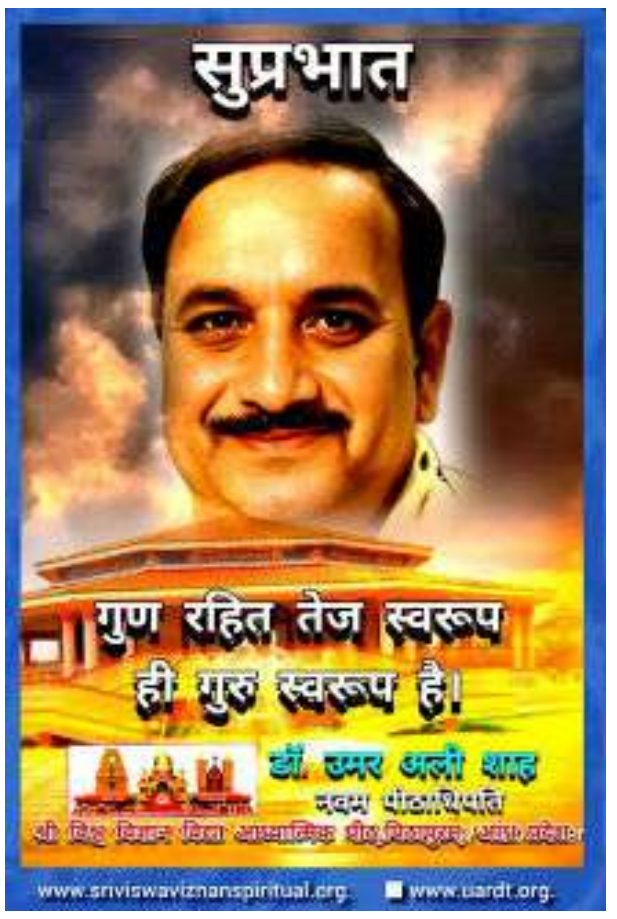

गेंदे की हर पंखुरी

गेंदे की हर पंखुरी, सूफी सन्त समान।
शिक्षा का इक केन्द्र बन,जारी करें बयान।
जारी करें बयान,अकेलापन है शातिर।
हर लेता मुस्कान, सदा स्वारथ के खातिर।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है यह सुनने की।
एका में है शक्ति, कली कहती गेंदे की।।

जीवन में खुशियाँ भरो, रहो हमेशा साथ।
कहकर गेंदा फूल ने, गाया सुन्दर गाथ।
गाया सुन्दर गाथ, सदा महकाओ जग को।
पकड़ सभी का हाथ, बनाओ तीरथ घर को।
सुन लो कहें प्रदीप, करो सबका अभिनंदन।
बाँटो जग में प्यार, यही है सच्चा जीवन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

योगी सरकार ने नारी शक्ति को दिया कवच

रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं को मिलेगा दोगुना वेतन और सुरक्षा

लखनऊ, एजेंसी। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सुधार के तहत, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने एक राजपत्रित आदेश जारी किया है, जिसके तहत महिलाओं को शाम 7:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक रात्रि पाली में काम करने की अनुमति दी गई है। लैंगिक समानता की दिशा में एक प्रगतिशील कदम माने जा रहे इस कदम के तहत, महिलाओं को औपचारिक सहमति देने पर देर रात तक काम करने की अनुमति दी गई है।

सरकार का आदेश महिला कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक मज़बूत ढाँचा तैयार करता है। नियोक्ताओं को

कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराने होंगे, जिनमें सीसीटीवी निगरानी, महिला सुरक्षा गार्ड और रात्रि पाली में काम करने वाली महिलाओं के लिए समर्पित परिवहन सुविधाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अब महिलाओं को इन घंटों के दौरान किए गए काम के लिए दोगुना वेतन मिलेगा।यह आदेश महिला कर्मचारियों को सप्ताह में छह दिन तक काम करने की अनुमति देता है, जिससे शिफ्ट और कार्यभार पर पहले से लागू प्रतिबंधों में विस्तार होता है। उल्लेखनीय रूप से, अधिकतम अनुमेय ओवरटाइम सीमा को प्रति तिमाही 75 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे कर दिया गया है, जिसमें सामान्य मजदूरी दर से दोगुना भुगतान किया जाएगा। इस समायोजन का उद्देश्य औद्योगिक और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में महिलाओं के लिए लचीलापन और मुआवज़ा दोनों को बढ़ावा देना है।

- **सुरक्षा और उचित वेतन मुख्य प्राथमिकता**
- **कार्य अधिकारों और ओवरटाइम सीमा में विस्तार**

पिछली सीमाओं को तोड़ते हुए, योगी सरकार का निर्देश अब खतरनाक उद्योगों की 29 श्रेणियों तक विस्तारित हो गया है जहाँ महिलाओं को अब काम करने की अनुमति है, जो पहले के प्रतिबंधों से एक बड़ा बदलाव है। इस समावेशन को प्रशासन द्वारा उन क्षेत्रों में महिलाओं को विविध पेशेवर भूमिकाओं में एकीकृत करने के निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है जिन्हें कभी असुरक्षित या अनुपयुक्त माना जाता था।

सरकार की गलत नीतियों के कारण संकट में श्रमिकों का जीवन

बसपा पदाधिकारियों से बोलीं मायावती, जन आंदोलन को करें और मजबूत

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण श्रमिक वर्ग का जीवन संकट में है, जबकि उनके कल्याण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मायावती ने दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात राज्यों की समीक्षा बैठक में पार्टी संगठन की तैयारियों और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने, जनसंपर्क को अधिक व्यापक बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर पार्टी की सक्रियता को तेज करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई के कारण लोगों का जीवन स्तर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र व राज्य सरकारें जनहित के वास्तविक मुद्दों से हटकर राजनीति में उलझी हुई हैं, जिसके कारण आम लोगों की समस्यायें अनसुलझी हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की तरह

बाकी राज्यों की स्थिति भी चिंताजनक है और इस वजह से जनता में गहरा असंतोष है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कानून–व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अपराध, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के कारण जनता बेहद परेशान है। इन राज्यों में सामाजिक एवं जातिगत तनाव और घटनाओं पर उन्होंने सरकारों को कठोर कार्रवाई करने की नसीहत दी। बसपा अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि वे जन–आंदोलन को और मजबूत करें तथा बहुजन समाज को राजनीतिक रूप से जागरूक करने के लिए प्रभावी अभियान चलायें। उन्होंने पार्टी के जनहित सर्वोपरि सिद्धांत को लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि बसपा ही वह विकल्प है जो जनता को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर दिलाने में सक्षम है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 6 दिसम्बर को परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण (महापरिनिर्वाण) दिवस दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात में व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। यह आयोजन पार्टी के मिशनरी स्वरूप के अनुरूप होगा, जिसमें किसी प्रकार का राजनीतिक दिखावा नहीं बल्कि सामाजिक समर्पण मुख्य केंद्र में रहेगा। इस दौरान पार्टी ने सभी राज्यों के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में बहुजन समाज को मजबूत करने और शोषित वर्ग को राजनीतिक शक्ति दिलाने के प्रयासों को तेज करें।

विहिप नेता को जेल भिजवाने वाली एडीएम ऋतु पूनिया पर गिरी गाज, शासन ने कर दिया तबादला

लखनऊ, संवाददाता। विश्व हिंदू परिषद विहिप के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ को जेल भेजने के मामले में पीलीभीत की अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया को उनके पद से हटा दिया गया है। शासन स्तर से की गई इस कार्रवाई के तहत, ऋतु पूनिया को लखनऊ मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह प्रसून द्विवेदी को जिले का नया एडीएम वित्त एवं राजस्व बनाया गया है। प्रसून द्विवेदी मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी के पद पर तैनात थे। यह कार्रवाई विहिप नेता प्रिंस गौड़ को जेल भेजे जाने के बाद जिलेभर में फैले हिंदू संगठनों के कड़े विरोध के बाद हुई है।विहिप नेता प्रिंस गौड़ ने शहर की एक निर्माणाधीन कॉलोनी में बनाई जा रही मजार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। प्रिंस गौड़ ने एडीएम ऋतु पूनिया पर कॉलोनाइजर को संरक्षण देने और उनके पति के लिए ठेके दिलवाने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए बरेली मंडलायुक्त से शिकायत की थी। शिकायत पर जब कमिश्नर ने एडीएम से जवाब मांगा, तो ऋतु पूनिया नाराज हो गईं। उन्होंने विहिप नेता प्रिंस गौड़ के खिलाफ रंगदारी और सरकारी कार्य में बाधा जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करवा दिया। पुलिस ने 8 नवंबर को विहिप नेता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिसके बाद जिलेभर के हिंदू संगठनों में गुस्सा फैल गया। जेल भेजे जाने के तुरंत बाद प्रिंस गौड़ की शनिवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराना पड़ा। विहिप के प्रांतीय पदाधिकारियों ने इस कार्रवाई को द्वेषपूर्ण और हिंदू नेता को नीचा दिखाने के उद्देश्य से की गई राजनीतिक कार्रवाई बताया था।

ट्रकों को अवैध तरीके से पास कराने के लिए लेते थे 7000 रुपए,

आरटीओ और खनन विभाग के अफसर भी शामिल, बड़े रैकेट का भंडाफोड़

लखनऊ, संवाददाता। यूपी एसटीएफ (यूपीएसटीएफ) ने ओवरलोड ट्रकों को अवैध तरीके से पास कराने वाले एक बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। इस रैकेट में परिवहन विभाग और खनन विभाग के कई अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई है। जांच में खुलासा हुआ है कि बालू और मौरंग से लदे ओवरलोड ट्रकों को बिना चेकिंग के यूपी में चलाने के लिए दलाल एक ट्रक से 7000 रुपये वसूलते थे। इसमें से 5000 रुपये सीधे आरटीओ और खनन विभाग के अफसरों तक पहुंचते थे। यूपीएसटीएफ ने लखनऊ, फतेहपुर, उन्नाव और रायबरेली में एक साथ छापेमारी की। जांच के बाद एआरटीओ, पीटीओ और खनन अधिकारियों समेत कई लोगों के

खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ के मड़ियांव थाने में एआरटीओ राजू बंसल, पीटीओ मनोज भारद्वाज समेत 9 लोगों पर मुकदमा दर्ज। फतेहपुर के खनन अधिकारी देशराज पटेल सहित 6 लोगों पर एफआईआर। रायबरेली, एआरटीओ पुष्पांजली और एक अन्य आरोपी को नामजद किया गया है। वहीं, उन्नाव के शहर कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में अफसरों के साथ उनके गनर और ड्राइवरों के नाम भी शामिल हैं, जो इस अवैध वसूली में भूमिका निभा रहे थे। एसटीएफ की जांच में सामने आया कि बांदा–हमीरपुर से लेकर लखनऊ तक ओवरलोड ट्रकों को पास कराने का पूरा नेटवर्क चल रहा था। दलाल रात में ही अधिकारियों को ट्रक नंबर और वसूली गई रकम की जानकारी भेज देते थे ताकि सुबह किसी भी चेकिंग में ट्रक को न रोका जाए। अगर कोई ट्रक पकड़ा भी जाता, तो बिना चालान के छोड़ दिया जाता था। इस कार्रवाई के बाद यूपी एसटीएफ ने पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए आगे की जांच तेज कर दी है। अधिकारी अब यह पता लगा रहे हैं कि इस सिंडिकेट से जुड़े और कौन–कौन से अफसर और कर्मचारी हैं।

एमार ने गुरुग्राम के सेक्टर 86 में लॉन्च किया नया

प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट 'सेरेनिटी हिल्स'

लखनऊ, संवाददाता। विश्व प्रसिद्ध रियल एस्टेट ब्रांड एमार प्रॉपर्टीज की भारतीय इकाई एमार इंडिया ने सेक्टर 86, गुरुग्राम में अपने नए प्रीमियम हाउसिंग प्रोजेक्ट 'सेरेनिटी हिल्सल' को लॉन्च् किया है। न्यू गुरुग्राम में स्थित यह प्रोजेक्ट एमार की गुणवत्ता, आधुनिक आर्किटेक्चर और पर्यावरण के प्रति संवेदी दृष्टिकोण का प्रतीक है। प्राकृतिक हरियाली और शांत वातावरण के साथ तैयार किया गया 'सेरेनिटी हिल्स' उन निवासियों के लिए है जो शहर में रहते हुए भी संतुलित, सुकून भरा और समृद्ध जीवन अनुभव चाहते हैं। यह प्रोजेक्ट गुरुग्राम के सबसे ग्रीन और सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स में से एक होगा, जिसे आईजीबीसी प्लेटिनम प्री–सर्टिफिकेशन प्राप्त है। इसे चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है, और पहले चरण में 7 टावरों में करीब 1,000 यूनिट्स लॉन्च की जा रही हैं। बाजार की मांग को देखते हुए, एमार ने इसमें 3बीएचके और 4बीएचके के प्रीमियम रेजिडेंशियल विकल्प शामिल किए हैं, जिनमें से अधिकतर यूनिट्स 3बीएचके अपार्टमेंट्स की होंगी।

सम्पादकीय.....

बेमौत न मरें यात्री

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वतरू संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह–जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच–पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

जोहरान ममदानी बनाम भारत के कम्युनिस्ट

मंगत राम पासला

आज जनता ने ब्राजील और मैक्सिको जैसे लैटिन अमरीकी देशों सहित दुनिया के कई देशों में साम्राज्यवाद–विरोधी वामपंथियों को सत्ता की चाबियां सौंप दी हैं। अमरीका अपनी युद्धनीति, 'वाणिज्यिक शुल्क' लगाने जैसी बलपूर्वक कार्रवाइयों और तख्तापलट के जरिए उन्हें सत्ता से हटाना चाहता है।

अमरीकी शहर न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में 34 वर्षीय मुस्लिम जोहरान कोवाम ममदानी की जीत गर्मी के दिन में ठंडी हवा के झोंके जैसी है। ममदानी 1892 के बाद से जीतने वाले सबसे कम उम्र के मेयर हैं। इतना ही नहीं, उन्हें दक्षिण एशियाई क्षेत्र में मुस्लिम धर्म से संबंधित इस शहर के पहले मेयर होने का गौरव भी प्राप्त है। याद रहे, उन्होंने यह शानदार जीत बिना किसी बड़े व्यापारिक घरानों के समर्थन के, न्यूनतम खर्च में हासिल की है। जोहरान ममदानी ने दुनिया भर के लोकतंत्र–प्रेमी, न्यायप्रिय लोगों को जीत का यह अनमोल तोहफा तब दिया है, जब एक ओर ट्रम्प उन्हें जिताने की सजा के तौर पर शहर के विकास के लिए संघीय धन में भारी कटौती करने की धमकी दे रहे थे तथा दूसरी ओर बड़े–बड़े व्यापारिक घराने ट्रम्प के उम्मीदवार कुओमो को खरबों डॉलर 'दान' के रूप में दे रहे थे। इससे भी ज्यादा उल्लेखनीय बात यह है कि 'लोकतंत्र और समाजवाद' की वकालत करने वाला एक व्यक्ति अमरीका के एक विश्व–प्रसिद्ध शहर का मेयर चुना गया है, जबकि ट्रम्प समेत दुनिया भर की साम्राज्यवादी लुटेरी और दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादी ताकतें 'इस्लामोफोबिया' के झूठे डर के तले समाज को ध्रुवीकृत करने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। जीत के बाद अपने पहले संबोधन में ममदानी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 15 अगस्त, 1947 को दिए गए भाषण 'आतंकवादी और नियति' का जिक्र किया और अपनी जीत को 'एक नए युग की शुरुआत' बताया। जब भारत के वर्तमान शासक हर लानत–मलामत के साथ कम्युनिस्टों के साथ ही नेहरू और महात्मा गांधी को कोस रहे हों, तब नेहरू द्वारा लिखित विश्व प्रसिद्ध पुस्तक के प्रेरक वाक्यों का पाठ करना पूरे संघ परिवार के लिए एक आईना है। आम लोगों के जीवन से जुड़े मुद्दों, जैसे महंगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं में गिरावट, पर ममदानी के प्रचार ने इस जीत में बड़ी भूमिका निभाई। गहरे आर्थिक संकट के वर्तमान दौर में, दुनिया के बड़े पूंजीपति और बहुराष्ट्रीय निगम विभिन्न देशों में निर्मम नवउदारवादी आध्यक नीतियों को लागू करने और साम्प्रदायिक–फासीवादी राज्य ढांचे स्थापित करने के लिए जी–तोड़ कोशिश कर रहे हैं। ऐसे समय में, अंधेरी रातों में टिमटिमाते जुगनूं की रोशनी की तरह मोमबत्ती की विजय भविष्य में पूंजीवादी व्यवस्था पर 'लोकतांत्रिक विचारों और समाजवादी व्यवस्था' की श्रेष्ठता सिद्ध करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। आज जनता ने ब्राजील और मैक्सिको जैसे लैटिन अमरीकी देशों सहित दुनिया के कई देशों में साम्राज्यवाद–विरोधी वामपंथियों को सत्ता की चाबियां सौंप दी हैं। अमरीका अपनी युद्धनीति, 'वाणिज्यिक शुल्क' लगाने जैसी बलपूर्वक कार्रवाइयों और तख्तापलट के जरिए उन्हें सत्ता से हटाना चाहता है। ऐसे नाजुक समय में, पड़ोसी देश नेपाल की 10 कम्युनिस्ट पाष्टयों और गुटों ने एक ही पार्टी, 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी' बनाने और अगले साल मार्च में होने वाले आम चुनाव उसके बैनर तले लडने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। भारत के कम्युनिस्टों के एक वर्ग को एक छोटे से क्षेत्र में सशस्त्र संघर्ष के जरिए सत्ता हथियाने का जो अनुभव रहा है, वह अब माओवादियों के आत्मसमर्पण के रूप में देखा जा सकता है। तमाम कुर्बानियों और दावों के बावजूद, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि देश की वर्तमान परिस्थितियों में एक छोटे से क्षेत्र के सशस्त्र संघर्ष का भारत की प्रबल शक्ति के सामने यह हश्र हुआ? अच्छी बात यह है कि अपने अतिवामपंथी, क्रांतिकारी रुख से सबक सीखकर, उनमें से कई ने अब शांतिपूर्ण सार्वजनिक राजनीतिक गतिविधियां जारी रखने का फैसला किया है।

यह भी एक तथ्य है कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वालों में कम्युनिस्ट सबसे आगे थे। ब्रिटिश साम्राज्यवादियों ने कम्युनिस्टों पर 'मेरठ षड्यंत्र केस' और 'लाहौर षडयंत्र केस' जैसे कई गंभीर मुकद्दमे दर्ज करके उन्हें फांसी की सजा और लंबे समय तक काले पानी की जेलों में कैद रखा था। आजादी के बाद भी, कम्युनिस्टों ने देश की मेहनतकश जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करके और सभी प्रकार की सरकारों की जनविरोधी नीतियों का डटकर विरोध करके एक गौरवशाली इतिहास रचा है। आज भी, अगर देश में कोई विश्वसनीय राजनीतिक दल है जो भ्रष्टाचार से दूर रहकर जनहितैषी राजनीति करता है, तो वह कम्युनिस्ट हैं। कम्युनिस्ट ही वे हैं जो सांप्रदायिक सद्भाव और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने के सच्चे पैरोकार हैं और जिन्होंने धर्मनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक रुख अपनाकर विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ डटकर मोर्चा संभाला है। दिल्ली स्थित 'जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय' के छात्रसंघ चुनाव में, उसे बदनाम करने और खत्म करने के हर हथकंडे अपनाने वाली सत्तारूढ़ पार्टी ने दक्षिणपंथी कार्यकर्त्ताओं को हराकर भारी जीत हासिल की है। यह जीत भारत के युवाओं के मन में वामपंथी राजनीति की मजबूत उपस्थिति का प्रतीक है। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि तमाम कुर्बानियों के बावजूद, कम्युनिस्ट अभी तक भारत में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर नहीं पाए हैं। कोई भी कम्युनिस्ट पार्टी अलग–अलग समय पर कई राजनीतिक गलतियां करने से मुक्त नहीं कही जा सकती। लेकिन कोई भी विचारशील व्यक्ति कम्युनिस्टों के जनपक्षधर चरित्र और ईमानदार कार्यों को नकार नहीं सकता। देश की वर्तमान खतरनाक स्थिति में, क्या न्यूयॉर्क के मेयर पद पर एक वामपंथी युवक की जीत, नेपाल में दस कम्युनिस्ट पार्टियों की एकता और संघ परिवार के सांप्रदायिक हमलों का प्रतिरोध करते हुए जे.एन.यू. में वामपंथी छात्र संगठनों की जीत भारत के कम्युनिस्टों के लिए उत्साह का स्रोत बन सकती है।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतरू दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं– जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)। ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपींस, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था। भारत में भी कुछ राज्य "फ्रीबी" के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है। सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किश्त एवं ऋणों पर ब्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस स्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण–सकल घरेलू अनुपात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती। कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्चे चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्चे लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं। इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा ररही हैं। इस प्रकार ये राज्य "डेट ट्रैप" की स्थिति में फंसते जा रहे हैं। आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का ब्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है। विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है।

सरकार से समाज तकः हिमाचल की नशामुक्ति मुहिम बनी जनआंदोलन

डा. रचना गुप्ता

उस मां पर क्या बीत रही होगी, जिसका एक बेटा मात्र 19 वर्ष में नशे की ओवरडोज से मर गया। बाद में पता चला कि जिस स्कूल में वह पढ़ता था, वहां दूसरे प्रदेशों के लोग सामान की फेरी लगाने के बहाने बच्चों को चरस देते थे। इसी जाल में हिमाचल जैसे करीब 78.54 लाख जनसंख्या वाले प्रदेश में 15 से 25 साल तक के युवाओं को टारगेट करके नशे की सप्लाई के खुलासे रौंगटे खड़े करने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जब इस विषय में नकेल कसी तो खौफनाक मंजर सामने आए। मात्र डेढ़ वर्ष में 1000 किलो चरस जिस राज्य में पकड़ी जाए, 35 किलो हैरोइन, 90 किलो अफीम, वहां का युवा किस दिशा में जा रहा होगा, यह बेहद चिंताजनक है। प्रदेश में सुखविंदर सुक्खू ने इस मामले की कमान बतौर गृहमंत्री खुद संभाली है। जो मास ड्राइव चली है, उसके अभी तक जो नतीजे आए हैं, वे और भी खेदजनक हैं, क्योंकि जिन सरकारी कर्मचारियों व पुलिस कर्मियों पर सुरक्षा का जिम्मा है, वही इस घिनौने कृत्य को अंजाम दे रहे हैं। एक वर्ष में प्रदेश सरकार के 80 कर्मचारियों को सजा मिलने का मतलब है कि कैसे यह ड्रग माफिया सरकारी पदों की आड़ में छोटे–छोटे बच्चों के साथ खिलवाड़ कर रहा है। न जाने कितने घरों के चिराग बुझ गए या फिर युवा बोझ बन गए। सरकार द्वारा डेढ़ वर्ष में की गई कार्रवाई का आकलन करें तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश की बेटियों तक को योजनाबद्ध टारगेट किया जा रहा है। चिंता बस यही नहीं है, बल्कि जिन सुइयों से यह नशे के इंजैक्शन लगा रहे हैं, उनसे बच्चों में एच.आई.वी. रोग फैल चुका है। अब सरकार के सामने एक और संकट यह आ गया कि एच.आई.वी. रोग को बढने से कैसे रोकें। नशा कैसे पहुंचता है, कैसे बिकता है, कैसे इससे लोग धन कमाते हैं, यह पूरे प्रदेश में अलग केस स्टडी है। डेढ़ वर्ष में 1500 लोगों को एन.डी.पी.एस. एक्ट में पकड़ा गया। इन लोगों ने चरस व अफीम बच्चों को बेचकर 100 करोड़ रुपए की संपत्ति बना ली थी। आप समझ सकते हैं कि यह कारोबार कैसे फल–फूल रहा था। हालत यह हो गई कि सरकार को सिरमौर में महिलाओं व बेटियों के लिए अलग से 100 बिस्तरों वाला नशा निवारण होस्टल खोलना पड़ा। राज्य के डी.जी.पी. अशोक तिवारी भी इस मसले पर खुद मोर्चा संभाले हुए हैं। टीम सुक्खू इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ अपराधियों को पकड़ रही है, बल्कि युवाओं को सही राह की ओर ले जाने के लिए अलग–अलग योजनाएं चला रही है और नशे के सेवन व तस्करी के प्रति जीरो टॉलरैंस की नीति अपना रही है। नशे में लिप्त युवाओं को उपचार के बाद पुनर्वास के लिए रोजगार के उचित अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वहीं नशे के आदी लोगों के पुनर्वास के लिए मजबूत कानून–व्यवस्था के तहत सरकार ने हिमाचल प्रदेश संगठित अपराध(निवारण एवं नियंत्रण) विधेयक, 2025 पारित कर नशा तस्करों को मृत्यु दंड, आजीवन कारावास और 10 लाख रुपए जुर्माने के अतिरिक्त अवैध तरीके से कमाई गई संपत्ति को कुर्क करने का प्रावधान किया है। इसके अतिरिक्त, नशामुक्ति, पुनर्वास, निवारक शिक्षा एवं आजीविका सहायता के वित्त पोषण के लिए एक राज्य कोष की स्थापना का प्रावधान भी किया गया है।प्रदेश सरकार द्वारा कुल्लू, ऊना, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों में पुरुषों के लिए चार व रैड क्रॉस सोसायटी कुल्लू द्वारा महिलाओं के लिए एक नशा निवारण एवं पुनर्वास केंद्र संचालित किया जा रहा है। गत वर्ष राष्ट्रीय नशा निवारण अभियान के अंतर्गत सभी जिलों के 5,545 गांवों और 3,544 शैक्षणिक संस्थानों में 5,26,372 लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया। बच्चों में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों और दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूली पाठ्यक्रम में एक

अध्याय शामिल करने का निर्णय लिया है, जिसकी प्रदेश सरकार पंचायत स्तर पर मैपिंग कर रही है। सिरिंज के माध्यम से नशा करने वाले लोगों की इस आदत को छुड़वाने के लिए ओपिओइड सबस्टीच्यूशन थैरेपी (ओ.एस.टी.) के अंतर्गत मुंह से ली जाने वाली दवाओं जैसे बुक्रेनोफिन की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 14 टारगेटिड इंटरवैन्शन प्रोजैक्ट्स के माध्यम से सुरक्षित सुइयों, परामर्श और एच.आई.वी.ध्एस.टी.आई. के लिए रैफरल की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। एच.आई.वी. को लेकर नियमित जांच की जा रही है और पॉजिटिव पाए जाने वाले मामलों को ए.आर.टी. केन्द्र से जोड़ा जा रहा है। सरकारी डाटा बताता है कि पुलिस विभाग ने नशे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए वर्ष 2023 से जून 2025 तक एन.डी.पी.एस. के 1140 मामले पकड़े और 1803 लोगों को गिरफ्तार भी किया। वर्ष 2024 में लागू किए गए पी.आई.टी. एन.डी.पी.ए. के अंतर्गत 123 प्रस्ताव भेजे गए और 41 आदेश गिरफ्तारी के जारी किए गए। नशा तस्करी से जुड़े आरोपी लोगों की 1214 संपत्तियों को चिन्हित, अतिक्रमण के 70 मामलों का पता लगाया और 7 मामलों में संपत्ति गिराने व खाली करवाने की कार्रवाई की गई। वर्ष 2023 में 4.87 करोड़ रुपए, 2024 में 24.42 करोड़ और 2025 में 6.66 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की गईं, जबकि 7.74 करोड़ रुपए की संपत्तियों के मामले पुष्टि के लिए भेजे गए हैं। नशे की समस्या सिर्फ कानून–व्यवस्था की नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की जागरूकता और भागीदारी का विषय है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जिस प्रतिबद्धता के साथ इस संकट के खिलाफ मोर्चा खोला है, वह आने वाली पीढियों को बचाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। लेकिन यह जंग तब ही सफल होगी जब हर माता–पिता, हर शिक्षक, हर पंचायत और हर नागरिक यह ठान ले कि वह किसी भी रूप में इस जहर को अपने समाज में पनपने नहीं देगा। नशे के खिलाफ यह संघर्ष सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल की आत्मा को बचाने की लड़ाई है और इसमें जीतना ही एकमात्र विकल्प है।(लेखिका हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य हैं।

पीठ, गर्दन, सीने, कंधों के दर्द से परेशान होकर शर्लिन ने करवाई ब्रेस्ट इम्प्लांट रिमूवल सर्जरी, बोलीं-जैसी हूं, वैसे ही खुद को अपनाती हूं

शर्लिन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। शर्लिन चोपड़ा ने ब्रेस्ट इम्प्लांट रिमूवल सर्जरी से पहले अस्पताल से अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती हैं- पिछले कुछ महीनों से मुझे बहुत ज्यादा पीठ, सीने, गर्दन और कंधों में दर्द हो रहा था। मेरे सीने में काफी दर्द-प्रेशर फील हो रहा है। कई बार डॉक्टर्स को दिखाने के बाद मुझे समझ आया कि आखिर ये दर्द मुझे किस कारण से है।

अपने बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने तकलीफ में होने का खुलासा किया। एक्ट्रेस ने बताया कि वह काफी समय से पीठ, गर्दन, सीने, कंधों में दर्द को झेल रही थी। उन्हें ये दर्द हैवी ब्रेस्ट इम्प्लांट की वजह से हो रहा था और अब वो ब्रेस्ट इंम्प्लांट हटवा रही हैं। शर्लिन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। शर्लिन चोपड़ा ने ब्रेस्ट इम्प्लांट रिमूवल सर्जरी से पहले अस्पताल से अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती हैं– पिछले कुछ महीनों से मुझे बहुत ज्यादा पीठ, सीने, गर्दन और कंधों में दर्द हो रहा था। मेरे सीने में काफी दर्द–प्रेशर फील हो रहा है। कई बार डॉक्टर्स को दिखाने के बाद मुझे समझ आया कि आखिर ये दर्द मुझे किस कारण से है। मुझे ये दर्द हैवी ब्रेस्ट इम्प्लांट की वजह से है। तो मैंने ये फैसला किया है कि मैं ब्रेस्ट इम्प्लांट हटवा रही हूं। मैं थोड़ी सी नर्वस और बहुत एक्साइटेड हूं। मैं बिना किसी एक्स्ट्रा बैगेज के नई लाइफ शुरू करने का इंतजार नहीं कर सकती। मैं प्रार्थना करती हूं कि भगवान मुझे और मेरे सर्जन को आशीर्वाद दें जो आज ये सर्जरी करेंगे। वीडियो के कैप्शन में शर्लिन ने लिखा– अगस्त 2023 में मैंने अपने चेहरे से सारे फिलर्स हटवा लिए थे ताकि मैं अपने रियल फेस में दिख सकूं। आज, मैं ब्रेस्ट इम्प्लांट रिमूवल सर्जरी करवा रही हूं, ताकि बिना किसी एक्स्ट्रा बैगेज के जिंदगी जी सकूं। प्लीज समझें कि ये पोस्ट फिलर्स या सिलिकॉन इम्प्लांट्स या उन्हें पसंद करने वालों की आलोचना करने के बारे में नहीं है। ये पोस्ट बताती है कि मैं जैसी हूं, वैसे ही खुद को अपनाती हूं। एक्ट्रेस का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है और यूजर्स इस पर खूब रिएक्ट भी करते नजर आ रहे हैं। बता दें, शर्लिन चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने बोल्ड फोटोज व वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

दिल्ली बम ब्लास्ट में इस एक्ट्रेस ने खोई जिगरी दोस्त, एक हफ्ते पहले हुई थी बात बोलीं-विश्वास नहीं हो रहा कि...

सोमवार, 10 नवंबर की शाम करीब 6.52 बजे दिल्ली के लाल किला के पास फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर–1 के पास चलती कार में जोरदार बम ब्लास्ट हुआ। धमाका इतना भीषण था कि इलाके में अफरा–तफरी मच गई। अब तक 8 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इस दर्दनाक धमाके में अभिनेत्री पायल घोष की स्कूल की जिगरी दोस्त सुनीता मिश्रा की मौत हो गई। इस घटना के बाद से पायल गहरे सदमे में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि उनकी दोस्त अब इस दुनिया में नहीं रही। पायल ने श्बॉलीवुड बबलश को दिए इंटरव्यू में कहा कृष्णो सिर्फ मेरी दोस्त नहीं, परिवार थी। हमने साथ–साथ बड़े हुए, सपने साझा किए और हर मुश्किल में एक–दूसरे का साथ दिया। हमने एक हफ्ते पहले ही बात की थी। यकीन नहीं होता कि इतनी कोमल आत्मा को इतनी क्रूरता से छीन लिया गया। उसे इस तरह खोना शब्दों से परे है। पायल घोष ने लाल किला ब्लास्ट में मारे गए सभी लोगों के परिवारों के लिए जनता से सहायता और संवेदना की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में हमें मिलकर उन परिवारों का साथ देना चाहिए जिन्होंने अपने अपनों को खो दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ब्लास्ट में मारे गए लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये, स्थायी रूप से अक्षम लोगों को 5 लाख रुपये, और गंभीर रूप से घायल लोगों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। पायल घोष ने तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हिंदी फिल्म 'कोई जाने ना' में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, वह टीवी शो 'साथ निभाना साथिया' में राधिका के रोल में भी नजर आई थीं।

ट्रांसजेंडर अनाया बांगड़ कैसे देंगी बच्चे को जन्म ? सच्चाई जानकर उड़ जाएंगे होश

रियलिटी शो श्शाइज एंड फॉल में हाल ही में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक पल देखने को मिला, जब कंटेस्टेंट अनाया बांगड़ ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक बेहद निजी सच सबके सामने रखा। अनाया ने बताया कि उन्होंने अपनी जेंडर ट्रांजिशन सर्जरी से पहले अपने स्पर्म को फ्रीज कराया था, ताकि भविष्य में वे सरोगेसी के जरिए मां बनने का सपना पूरा कर सकें। अनाया ने कहा, मेरे पास दो रास्ते थे, या तो मैं किसी बच्चे को गोद लेती या फिर हार्मोनल ट्रीटमेंट से पहले अपने स्पर्म को फ्रीज कराती। मैंने दूसरा रास्ता चुना क्योंकि मैं चाहती थी कि भविष्य में अगर मैं चाहूं, तो मेरा बच्चा जैविक रूप से मेरा हो। विशेषज्ञों के अनुसार, अनाया का यह फैसला वैज्ञानिक रूप से पूरी तरह सही और संभव है। जेंडर ट्रांजिशन से पहले कोई व्यक्ति अपनी प्रजनन क्षमता को सुरक्षित रखने के लिए स्पर्म फ्रीजिंग या एग फ्रीजिंग का विकल्प चुन सकता है। इससे आगे चलकर आईवीएफ या सरोगेसी के जरिए जैविक संतान पाना संभव हो जाता है। हालांकि, फिलहाल ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए गर्भधारण संभव नहीं है क्योंकि पुरुष शरीर में गर्भाशय या फैलोपियन ट्यूब जैसी संरचनाएं नहीं होतीं। कुछ देशों में यूटेरस ट्रांसप्लांट पर रिसर्च चल रही है, लेकिन अभी तक कोई सफल उदाहरण सामने नहीं आया है। इसलिए सरोगेसी ही सबसे सुरक्षित और व्यवहारिक विकल्प माना जाता है। अनाया की तरह आज कई ट्रांसजेंडर व्यक्ति फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन की दिशा में कदम उठा रहे हैं। 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, जेंडर ट्रांजिशन से पहले स्पर्म या एग फ्रीज कराना भविष्य में पेरेंटहुड का सपना पूरा करने का सबसे असरदार तरीका है। वहीं, डब्लयूएचओ की 2023 रिपोर्ट में भी फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन को ट्रांसजेंडर लोगों के प्रजनन अधिकारों का अहम हिस्सा बताया गया है।

अजय देवगन ने मनीष मल्होत्रा की 'गुस्ताख इश्क' के भव्य रिलीज से पहले दी शुभकामनाएं

प्यार का मौसम आ गया है मनीष मल्होत्रा की पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क कुछ पहले जैसा' के साथ। मशहूर डिजाइनर और स्टाइलिस्ट मनीष मल्होत्रा अब बतौर निर्माता अपने बैनर ैजंहम5 च्तवकनबजपवद के साथ फिल्म निर्माण में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारीब हाशमी जैसे शानदार कलाकार एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म के ट्रेलर ने जबरदस्त चर्चा बटोरी है, और अभिनेता अजय देवगन की खास सराहना ने इसकी चर्चा को और भी ऊंचाई दे दी है। अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा "एक कहानी, जो रह जाएगी दिल में निशानी की तरह। पुरानी दिल्ली की गलियों में लिखी गई ये पहले से इश्क की दास्तान। फिल्म 'गुस्ताख इश्क' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एहसास है जो पुरानी मोहब्बत की यादों को फिर से ताजा करता है इसमें है शायरी की मिठास, पंजाब की पुरानी कोठियों और पुरानी दिल्ली की गलियों का आकर्षण। ट्रेलर ने दर्शकों के दिलों को छू लिया है, और लोग इस अनोखी फिल्म की तारीफ कर रहे हैं जो आज की भव्य फिल्मों की भीड़ में अलग पहचान बना रही है। गुस्ताख इश्क' के जरिए मनीष मल्होत्रा पुरानी कहानी कहने की परंपरा को आधुनिक सिनेमाई दृष्टिकोण के साथ जोड़ते हैं। अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ ैजंहम5 च्तवकनबजपवद के तहत यह फिल्म बनाई गई है। निर्देशक विभु पुरी की यह फिल्म पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढलती कोठियों के बीच एक अनकही मोहब्बत और जुनून की कहानी को बयां करती है। फिल्म 'गुस्ताख इश्क' 28 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सनी-बॉबी नहीं... धर्मेंद्र ने अपने इस तीसरे बेटे से किया था ये खास वादा, क्या अब वचन पूरा कर पाएंगे ही-मैन ?

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत में अब सुधार है। लंबे समय तक मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज कराने के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई है। अस्पताल से घर तक उन्हें उनके बेटे बॉबी देओल लेकर पहुंचे। धर्मेंद्र का अपने दोनों बेटों सनी और बॉबी देओल से बेहद गहरा रिश्ता है। तीनों के बीच का प्यार और एक–दूसरे के लिए सम्मान हमेशा लोगों को प्रेरित करता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि धर्मेंद्र अपने दो नहीं बल्कि तीन बेटों की हमेशा जिक्र करते हैं। तीसरे बेटे से उनका खून का रिश्ता भले न हो, लेकिन उनके बीच का अपनापन और स्नेह किसी असली रिश्ते से कम नहीं है। यह बेटा और कोई नहीं बल्कि सलमान खान हैं। धर्मेंद्र ने कुछ साल पहले बिग बॉस 16 के मंच पर सलमान से एक वादा किया था कि वे शो के अगले सीजन में फिर से आएंगे। दरअसल, उस एपिसोड में धर्मेंद्र और सलमान ने साथ में यमला पगला दीवाना गाने पर डांस किया था और खूब मस्ती की थी। सलमान ने उस वक्त मजाकिया अंदाज में कहा था, आपको अगले सीजन में फिर से आना है। इस पर धर्मेंद्र ने जवाब दिया था, श्जरूर आऊंगा बेटा, तू मुझ पर गया है। तुझसे मोहब्बत है। उस पल ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। धर्मेंद्र कई मौकों पर सलमान को अपना बेटा बताते रहे हैं। उन्होंने कहा था कि, श्मेरे तीन बेटे हैं तीनों ही जज्बाती हैं, खुद्दार हैं, लेकिन सलमान थोड़ा मुझ पर ज्यादा गया है, क्योंकि यह रंगीन मिजाज है। इस बयान पर बॉबी देओल भी हंसते रह गए थे। फैन्स अब दोबारा उस पल का इंतजार कर रहे हैं जब धर्मेंद्र बिग बॉस के मंच पर फिर नजर आएंगे। हालांकि, धर्मेंद्र अपना वादा पहले ही निभा चुके हैं। वे बिग बॉस 17 में एक बार फिर पहुंचे थे और वहां उन्होंने बॉबी देओल के मशहूर जमाल कुडु डांस स्टेप को दोहराया था। अब जब शो का फिनाले करीब है, दर्शक उम्मीद कर रहे हैं कि धर्मेंद्र एक बार फिर सलमान खान के साथ मंच साझा करते नजर आएंगे और अपने फैंस को फिर से खुशियों का तोहफा देंगे।

पाचन की समस्याओं को दूर करने के लिए घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली, नोट करें रेसिपी

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

– 500 ग्राम आंवला
– एक कप गुड़
– सेंधा नमक स्वादानुसार
– काला नमक एक चम्मच
– काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
– भुना जीरा एक चम्मच
– आधा कप पिसी चीनी
– एक चौथाई चम्मच हींग
– नींबू का रस

आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने की विधि

– इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।

– उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।

– अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।

– इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।

– धीरे–धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।

– आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ट्ठा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।

– प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।

– तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी आंवले की गोली।

सिर्फ 2 चीजों से बनाएं घर पर नेचुरल लिप बाम, सर्दियों में होंठ फटने की टेंशन होगी खत्म

सर्दियों के मौसम में होंठ फटना एक आम समस्या है। ठंडी हवा, पानी की कमी और धूप के कारण होंठों की नमी छिन जाती है, जिससे वे रूखे और पपड़ीदार हो जाते हैं। बाजार के महंगे लिप बाम या ग्लॉस कुछ समय के लिए ही राहत देते हैं, लेकिन उनका असर लंबे समय तक नहीं टिकता। ऐसे में घर पर बना नेचुरल लिप बाम सबसे अच्छा विकल्प है।

सर्दियों में क्यों फटते हैं होंठ?

सर्द हवाओं और कम हाइड्रेशन की वजह से स्किन की

नमी खत्म हो जाती है। होंठों में तेल ग्रंथियां नहीं होतीं, इसलिए वे जल्दी सूख जाते हैं। इसीलिए उन्हें ऐसी चीज की जरूरत होती है जो अंदर तक नमी दे और होंठों का नेचुरल कलर बनाए रखे।

सिर्फ दो चीजों से बनाएं नेचुरल लिप बाम

1 चम्मच घी

1 चम्मच चुकंदर का रस

दोनों ही नेचुरल मॉइस्चराइजर हैं। घी होंठों की ड्राइनेस खत्म करता है, जबकि चुकंदर का रस उन्हें नेचुरली गुलाबी टिंट देता है।

लिप बाम बनाने का आसान तरीका

एक छोटे बाउल में घी लें।

इसमें चुकंदर का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें।

मिश्रण को 10द्15 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें ताकि यह थोड़ा जम जाए।

अब निकालें और आपका घर का बना नेचुरल लिप बाम तैयार है।

इसे रोज रात को सोने से पहले लगाएं। हफ्तेभर में ही होंठ मुलायम और गुलाबी दिखने लगेंगे।

इस लिप बाम के फायदे

होंठों को डीपली मॉइस्चराइज करता है।

डेड स्किन हटाकर नैचुरल पिंक कलर लाता है।

रोजाना इस्तेमाल से होंठ मुलायम, गुलाबी और चमकदार बनते हैं।

पूरी तरह केमिकल–फ्री और बजट–फ्रेंडली है।

इसे कैसे स्टोर करें: लिप बाम को छोटे कंटेनर में फ्रिज में स्टोर करें। यह 10–12 दिन तक ताजा रहता है। हल्का–हल्का लगाने पर दिनभर होंठों की नमी बरकरार रहती है।

कोयले से बने चारकोल फेस मास्क से मिलेगी दमकती बेदाग त्वचा, घर पर ऐसे बनाकर करें तैयार

हर फंक्शन और त्योहारों के मौके पर लोग अपने स्किन का खास ख्याल रखते हैं। वहीं धूल, मिट्टी, पसीने और पॉल्यूशन का भी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। फिर भले ही आप फेस वॉश के इस्तेमाल से चेहरे की गंदगी साफ हो जाती है, लेकिन इसकी संभावना अधिक है कि केमिकल वाले ये फेस वॉश आपकी त्वचा को ड्राई कर सकते हैं या फिर पिंपल्स ला सकते हैं। आमतौर पर स्किन से गंदगी साफ करने के लिए हमारी पहली चॉइस चारकोल फेसवॉश होती है। बता दें कि मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स में कई केमिकल्स मिले होते हैं। अगर हम आपसे कहें तो आप घर पर 2 टुकड़े कोयले की मदद से फेस मास्क बना सकते हैं। चेहरे के अंदर तक की गंदगी को साफ कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर कोयले से बने फेस मास्क बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्किन बेनिफिट्स

फेस पर चारकोल का इस्तेमाल करने से गंदगी को साफ करने के लिए किया जाता है। यह हमारी त्वचा से एक्स्ट्रा तेल को साफ करने, स्किन टोन को इवन करने और पोर्स को क्लीन करने में मदद करता है। इससे आपकी त्वचा हमेशा चमकती रहती है।

चारकोल फेस मास्क की सामग्री

कोयला– 2 टुकड़े (3–3 इंच के)

नींबू– 2

मुल्तानी मिट्टी– –1/2 चम्मच

एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

गुलाब जल– जरूरत अनुसार

नोट– आप चाहें तो मुल्तानी मिट्टी की जगह इसमें बेसन या फिर दही डाल सकते हैं। वहीं गुलाबजल न होने पर आप इसमें नॉर्मल पानी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं चारकोल फेस मास्क

सबसे पहले एक बाउल में एक चम्मच कोयला पाउडर, एलोवेरा जेल, 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और जरूरत अनुसार गुलाबजल डालकर इन सभी को अच्छे से मिक्स कर लें।

ऐसे करें अप्लाई

इस चारकोल फेस को 10 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई करें और इसको सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर फेस वॉश कर लें, आप देखेंगे कि चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और चेहरे पर निखार भी आएगा।

आप इसको सप्ताह में दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा साफ होगी।

इन चीजों का करें इस्तेमाल

इस फेस मास्क में आप मुल्तानी मिट्टी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें, तो इसके बेसन या दही भी एड कर सकते हैं। क्योंकि यदि आप इन चीजों को नहीं मिलाते हैं, तो डायरेक्ट कोयला चेहरे पर लगाने से फेस काला पड़ सकता है। वहीं बेसन और मुल्तानी मिट्टी हमारी स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

पत्नी के साथ विदेश घूमने का सपना होगा पूरा, जेब भी ज्यादा नहीं होगी ढीली

ऐसा शायद ही कोई होगा, जिसको विदेश घूमने का शौक नहीं होगा। हर कोई साल में एक बार फॉरेन ट्रिप तो जरूर करना चाहता होगा। लेकिन कई लोग बजट के कारण विदेश नहीं जा पाते हैं। ऐसे में अगर आप विदेश घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन बजट के कारण नहीं जा पा रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ ऐसे सस्ते विदेश ट्रिप लेकर आए हैं, जो आपके बजट में फिट बैठ जाएंगे।

आप इन जगहों पर घूमने के साथ–साथ एक से एक बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि इन जगहों पर घूमने के लिए आपको करीबर 1 से 2 लाख रुपए के बीच खर्च आएगा। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

सामोआ

दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित सामोआ एक छोटा सा द्वीप राष्ट्र है, जोकि हवाई और न्यूजीलैंड के बीच में पड़ता है। सामोआ पोलिनेशिया का भी हिस्सा है और कई छोटे–छोटे द्वीपों से मिलकर बना है। सामोआ अपने हरे–भरे नजाओं, जीवंत संस्कृति और प्राचीन समुद्र तटों के लिए जाना जाता है।

बारबाडोस

बारबाडोस पूर्वी कैरिबियन में स्थित है, यह जगह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समुद्र तटों और जलवायु के लिए जानी जाती है। इस देश की राजधानी ब्रिजटाउन है। जो सबसे बड़े शहर के रूप में फेमस है। बारबाडोस अपने सफेद–रेतील, कोरम रीफ्स और

क्रिस्टल वॉटर के लिए फेमस है। यह पर्यटकों के लिए फेमस डेस्टिनेशन है। यहां पर आप स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग जैसी कई एक्टिविटीज कर सकते हैं।

नेपाल

नेपाल भी अपने खूबसूरत नजारों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। नेपाल की हिमालय रेंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहां पर हिमालय की ऊंची–ऊंची चोटियां जैसे माउंट एवरेस्ट दुनियाभर में फेमस है। यहां की राजधानी और सबसे बड़ा शहर काठमांडी देश की आर्थिक, संस्कृति और राजनीति का केंद्र बना हुआ है।

भूटान

बता दें कि भूटान एक छोटा लैंडलॉक राज्य है। यह पूर्वी हिमालय में स्थित है, जोकि भारत और चीन से सीमाबद्ध है। यहां पर हैरान कर देने वाले पहाड़ी नजारों, पर्यावरण संरक्षण और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। भूटान को श्अंतिम शांगरी–लाश के रूप में जाना जाता है।

मालदीव

मालदीव भी कपल्स के लिए जन्नत से कम नहीं है। यह भारतीय महासागर में स्थित है। बता दें कि मालदीव श्रीलंका और भारत के दक्षिण–पश्चिम की तरफ पड़ती है। यहां पर हैरान कर देने वाले सफेद–रेतीले समुद्र तटों, समुद्री जीवन और क्रिस्टल वॉटर के लिए जाना जाता है। यह देश की राजधानी माले दुनिया की सबसे छोटी राजधानियों में से एक है।

मॉरीशस

मॉरीशस भारतीय महासागर में स्थित है। यह फिरोजी लैगून, प्राचीन समुद्र तटों और हरे–भरे जंगलों के लिए फेमस है। यह पर्यटकों का फेवरेट डेस्टिनेशन है। जोकि प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता का मिश्रण है। मॉरीशस द्वीप की राजधानी और सबसे बड़ा शहर पोर्ट लुइस देश के आर्थिक और राजनीतिक केंद्र के रूप में काम करने के लिए जाना जाता है।

अनजाने में रोजाना वाइट प्वाइजन खा रहे हैं आप, नहीं छोड़ा तो लगाने पड़ेंगे डॉक्टरों के चक्कर

आजकल लोगों में खाने को लेकर ज्ञान की कमी है, वह अनजाने मे ऐसी चीजों का सेवन कर लते हैं जो आगे चलकर उनके लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। सर्दियों में कुछ सफेद खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो कुछ खास स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं। यहां कुछ सफेद खाद्य पदार्थ और उनके संभावित नुकसान के बारे में बताया गया है, जिसे अपने थाली से हटा देना ही सही रहेगा।

चीनी

चीनी का अधिक सेवन वजन बढ़ने, डायबिटीज, और इम्यूनिटी में कमी का कारण बन सकता है। ठंड में हमारा शरीर अधिक ऊर्जा की आवश्यकता महसूस करता है, जिससे लोग मीठा खाने की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। लेकिन, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। डायबिटीज के मरीज, हृदय रोग से पीड़ित लोग और वजन कम करने वाले व्यक्तियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

सफेद चावल

सफेद चावल में फाइबर की कमी होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है। डायबिटीज के मरीजों, वजन घटाने वाले और इंसुलिन प्रतिरोध वाले व्यक्तियों को सफेद चावल से बचना चाहिए।

मैदा

मैदा (सफेद आटा) में फाइबर और पोषक तत्व बहुत कम होते हैं। यह पेट में भारीपन, कब्ज और सूजन की समस्या पैदा कर सकता है। पाचन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोग, डायबिटीज के मरीज, और जो वजन घटाने की प्रक्रिया में हैं, उन्हें मैदे से बने खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना चाहिए।

नमक

सर्दियों में नमक का अधिक सेवन हृदय संबंधी समस्याओं, उच्च रक्तचाप और किडनी पर बुरा असर डाल सकता है। ठंड में नमक से पानी की कमी हो सकती है और सूजन की समस्या हो सकती है। उच्च रक्तचाप के मरीज और किडनी से जुड़ी समस्याओं वाले लोग नमक का सीमित सेवन करें।

डेयरी उत्पाद

ठंड में दूध या अन्य डेयरी उत्पाद ठंड और एलर्जी को बढ़ा सकते हैं, जिससे बलगम और सर्दी–खांसी की समस्या हो सकती है। इनसे पेट में भारीपन भी महसूस हो सकता है। जिन्हें सर्दी–खांसी, बलगम या एलर्जी की समस्या होती है, वे ठंड में डेयरी उत्पादों से बच सकते हैं। सफेद खाद्य पदार्थों के बजाय, आप साबुत अनाज, जौ, बाजरा, रंगीन फल और सब्जियां, और गुड़ जैसी चीजों का सेवन कर सकते हैं, जो सर्दियों में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

संक्षिप्त

जनजातीय समुदाय के उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पर काम जारी : गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय आदिवासियों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रहा है। गोयल ने आदिवासी व्यापार सम्मेलन में आदिवासी उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आपके उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक योजना पर काम चल रहा है। चाहे ई–कॉमर्स के माध्यम से हो या अंतरराष्ट्रीय गोदाम बनाकर, ताकि आपके उत्पाद वहां प्रदर्शित हो सकें, आपके उत्पाद वहां उपलब्ध हो सकें और लोग आकर उन्हें खरीद सकें।'' मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए धन आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। गोयल ने यह भी सुझाव दिया कि उद्यमी उन वस्तुओं की पहचान करें जिन्हें भौगोलिक संकेतक (जीआई) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। भौगोलिक संकेतक के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को 10 वर्षों के लिए कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है। बुधवार को यशोभूमि में संपन्न हुए जनजातीय व्यापार सम्मेलन का उद्देश्य जनजातीय उद्यमिता को मजबूत करना और समावेशी वृद्धि को गति देना था। डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में जनजातीय क्षेत्रों में उद्यम–आधारित विकास को गति देने पर एक दिवसीय संवाद के लिए 250 से अधिक जनजातीय उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में एमएसएमई, कौशल विकास एवं उद्यमिता, वस्त्र, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी रही। इस मौके पर जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि सरकार इन उद्यमियों के विकास के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है।

रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 88.62 प्रति डॉलर पर

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया बुधवार को 12 पैसे टूटकर 88.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर नई संभावनाओं और अमेरिका में लंबे समय से जारी 'शटडाउन' के समाधान की उम्मीदों ने निचले स्तर पर घरेलू मुद्रा को समर्थन

दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.61 पर खुला। कारोबार के दौरान इसने 88.56 प्रति डॉलर के उच्च और 88.66 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छुआ। अंततः यह 88.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.50 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.58 पर आ गया।

सोना 2,000 रुपये बढ़कर 1,27,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी में 5,540 रुपये का उछाल

सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को चांदी 1,55,760 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विदेशी बाजारों में, हाजिर सोना 4,127.59 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा, जबकि हाजिर चांदी 0.86 प्रतिशत बढ़कर 51.66 डॉलर प्रति औंस हो गई। मजबूत वैश्विक रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 2,000 रुपये बढ़कर 1,27,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ यह जानकारी दी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत

2,000 रुपये बढ़कर 1,27,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जबकि सोमवार को इसका का भाव 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम था। पिछले दो सत्रों में सोने की कीमत में 3,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट के बाद मंगलवार को सर्राफा बाजार बंद रहे। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष और अनुसंधान विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों के लगभग 4,100 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर स्थिर रहने के कारण सोने में एक और सत्र के लिए सकारात्मक कारोबार हुआ।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिकी सरकार के 'शटडाउन' के खत्म होने की संभावना की उम्मीदों से निवेशकों की कारोबारी धारणा को मजबूती मिल रही है, क्योंकि इससे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी हो सकेंगे, जो दिसंबर की बैठक में फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों के अनुमान के लिए अहम हैं।'' इस बीच, बुधवार को चांदी की कीमत भी 5,540 रुपये बढ़कर 1,61,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को चांदी 1,55,760 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विदेशी बाजारों में, हाजिर सोना 4,127.59 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा, जबकि हाजिर चांदी 0.86 प्रतिशत बढ़कर 51.66 डॉलर प्रति औंस हो गई।

ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट...वो भी बतौर कप्तान! मैच के लिए उत्साहित हैं गिल

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले कप्तान शुभमन गिल ने टीम चयन को लेकर दिलचस्प खुलासे किए। गिल ने माना कि टीम संयोजन तय करने में अक्सर यह संघर्ष रहता है कि अतिरिक्त स्पिनर लिया जाए या तेज गेंदबाज। इसके अलावा वह ईडन गार्डन्स में अपने पहले टेस्ट को लेकर भी बेहद उत्साहित दिखे। गिल का यह कोलकाता में पहला टेस्ट होगा और वो भी बतौर कप्तान। उनके नाम इस मैदान से खास उपलब्धि जुड़ गई। 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ डे–नाइट टेस्ट में वह स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग–11 में नहीं थे। भारत छह साल बाद ईडन गार्डन्स में कोई टेस्ट खेलेगा।

गिल ने गुरुवार को प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरी ईडन गार्डन्स से जुड़ी बहुत सारी यादें हैं। मेरा आईपीएल करियर यहीं से शुरू हुआ था। यह एक ऐसा मैदान है, जब भी मैं यहां आता हूं, मुझे बिल्कुल वैसा ही महसूस होता है जैसा पीसीए (पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन) की ट्रेनिंग के दौरान होता है, जब हम पंजाब में खेलते हैं। यह कुछ वैसा ही एहसास है। हम छह साल बाद यहां कोई मैच खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि हमने जो आखिरी टेस्ट मैच खेला था, वह गुलाबी गेंद से खेला गया टेस्ट मैच था। मैं उस टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं था, लेकिन मैं स्क्वॉड का हिस्सा था। इसलिए ईडन गार्डन्स में यह मेरा पहला टेस्ट मैच है और यहां अपने देश का नेतृत्व करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है।

प्लेइंग–11 की कशमकश पर गिल

गिल ने कहा, हर साल इस समय यही विवाद रहता है कि आप एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज लें या स्पिनर। इसलिए हम कल कंडीशन देखकर प्लेइंग इलेवन तय करेंगे। भारत की टीम में इस मैच के लिए तीन तेज गेंदबाज हैं। इनमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप शामिल हैं। वहीं, टीम के पास चार स्पिनर विकल्प मौजूद हैं। इनमें रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव शामिल हैं।

स्पिनर्स ही तय करेंगे मैच का नतीजा

हालांकि, गिल ने पूरी टीम संयोजन का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि स्पिनर्स का रोल निर्णायक रहेगा। उन्होंने कहा, टीम लगभग तय है। विकेट कल से थोड़ा अलग दिख रहा है। हम कल सुबह इसे देखकर स्पिन संयोजन फाइनल करेंगे, क्योंकि मैच का फैसला ज्यादातर स्पिनर ही करेंगे।

सुंदर, जडेजा और अक्षर से टीम मजबूत

गिल ने यह भी बताया कि भारत के पास ऐसे स्पिन ऑलराउंडर हैं जो बल्ले से भी अहम योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास बेहतरीन बल्लेबाजी ऑलराउंडर्स हैं। चाहे अक्षर हों, वॉशिंगटन या जडेजा, इनका बल्लेबाजी और गेंदबाजी रिकॉर्ड, खासकर भारत में, शानदार रहा है। यह एक रोमांचक टेस्ट होगा और इतने सारे विकल्प होना टीम के लिए अच्छा संकेत हैं।

सूखी पिच पर रिवर्स स्विंग से पेसर्स भी खेल में रहेंगे

हालांकि, गिल ने यह भी साफ किया कि अगर पिच सूखी रहती है तो तेज गेंदबाज भी प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर विकेट सूखा है तो रिवर्स स्विंग अहम भूमिका निभाती है। 2024 की इंग्लैंड सीरीज में भी पेसर्स ने स्पिन–अनुकूल पिचों पर महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। अगर गेंद रिवर्स हो रही है तो पेसर्स हमेशा खेल में रहते हैं।

मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी पर बोले गिल

मोहम्मद शमी को इस सीरीज़ के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है, जिससे चयन पर कई सवाल उठे। गिल ने कहा कि इतने अनुभवी गेंदबाज का बाहर रहना आसान फैसला नहीं था। उन्होंने कहा, शमी भाई जैसे गेंदबाज बहुत कम होते हैं। लेकिन जो खिलाड़ी अभी खेल रहे हैं, उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। कभी–कभी शमी भाई जैसे खिलाड़ियों का बाहर रहना मुश्किल फैसला होता है। इसके बारे में चयनकर्ता बेहतर जवाब दे पाएंगे।

तीनों फॉर्मेट में खेलना मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण

भारत की टेस्ट और वनडे टीम की कप्तानी करने वाले और हाल ही में टी20 टीम के उप–कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा कि वह अभी भी तीनों फॉर्मेट में वर्कलोड मैनेजमेंट समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि अपने वर्कलोड को कैसे संभालूं। अलग–अलग देशों में, चार–पांच दिन के भीतर फॉर्मेट बदलते हुए, एशिया कप से अब तक हम लगातार खेल रहे हैं। मैं यह जानने की कोशिश कर रहा हूं कि कौन–सा तरीका मुझे हर फॉर्मेट में सफल होने का सबसे अच्छा मौका देता है। लेकिन यह चुनौती शारीरिक से ज्यादा मानसिक है।

दक्षिण अफ्रीका से सीरीज आसान नहीं होगी

गिल ने माना कि मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चौम्पियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह सीरीज आसान नहीं होगी। उन्होंने कहा, हमें पता है कि मौजूदा विश्व टेस्ट चौंपियन के खिलाफ खेलना आसान नहीं है। कठिन पल आएंगे, लेकिन हम उन्हें संभालने के लिए तैयार हैं। ये दोनों टेस्ट मैच डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में बहुत अहम हैं।

क्या संजू सैमसन के CSK में आने पर `इंपैक्ट प्लेयर' बनेंगे धोनी ? इस पूर्व क्रिकेटर ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की मिनी ऑक्शन से पहले ट्रेड विंडो में कयासों का बाजार गर्म है। इस समय सबसे ज्यादा चर्चा राजस्थान रॉयल्स (त्त) के कप्तान संजू सैमसन के भविष्य को लेकर है। खबरें हैं कि सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स (ब्ब्ज्ञ) में शामिल किए जाने की संभावना है, जबकि इसके बदले रवींद्र जडेजा राजस्थान लौट सकते हैं। इसी बीच एक और सवाल उभरकर सामने आया है कि अगर सैमसन सीएसके में आते हैं, तो क्या महेंद्र सिंह धोनी टीम में केवल इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका में रहेंगे?

बद्रीनाथ ने किया साफ, कही यह बात

सीएसके के पूर्व स्टार सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, एमएस धोनी कभी सिर्फ इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका में नहीं होंगे। अगर वह खेलते हैं तो विकेटकीपर के तौर पर ही खेलेंगे। हो सकता है वह पूरा सीजन न खेलें, लेकिन मैदान पर जरूर रहेंगे।

बद्रीनाथ ने आगे कहा कि धोनी का अनुभव और रणनीतिक समझ चेपॉक स्टेडियम में टीम के लिए बेहद अहम है।

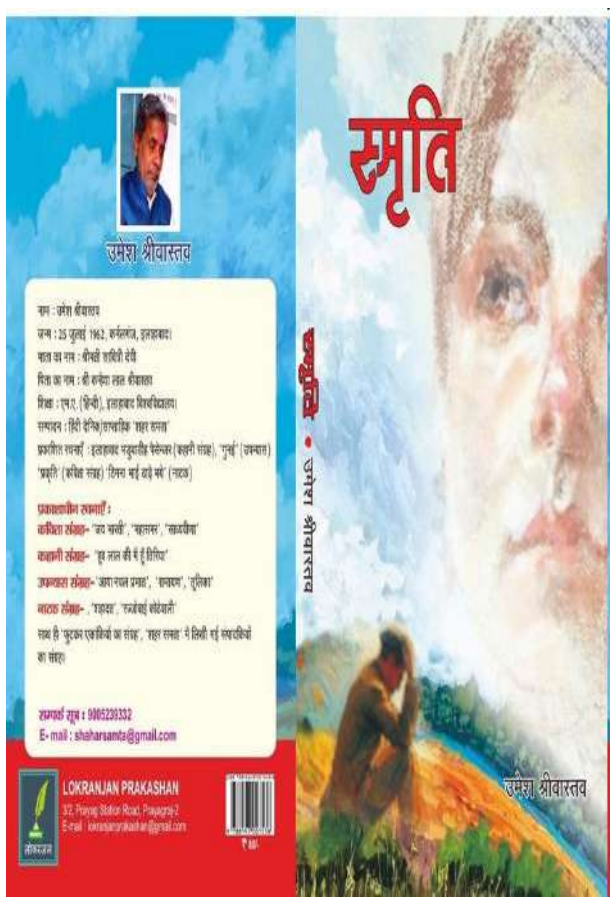

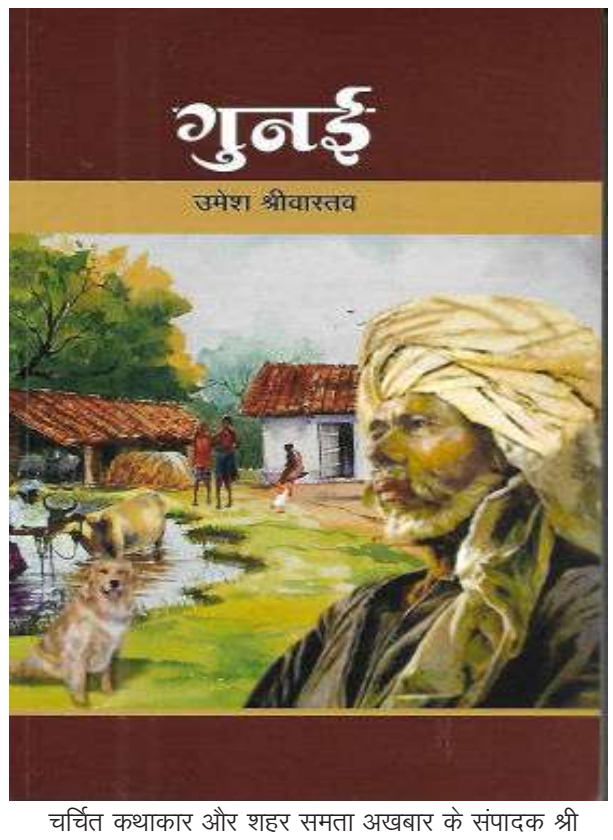

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

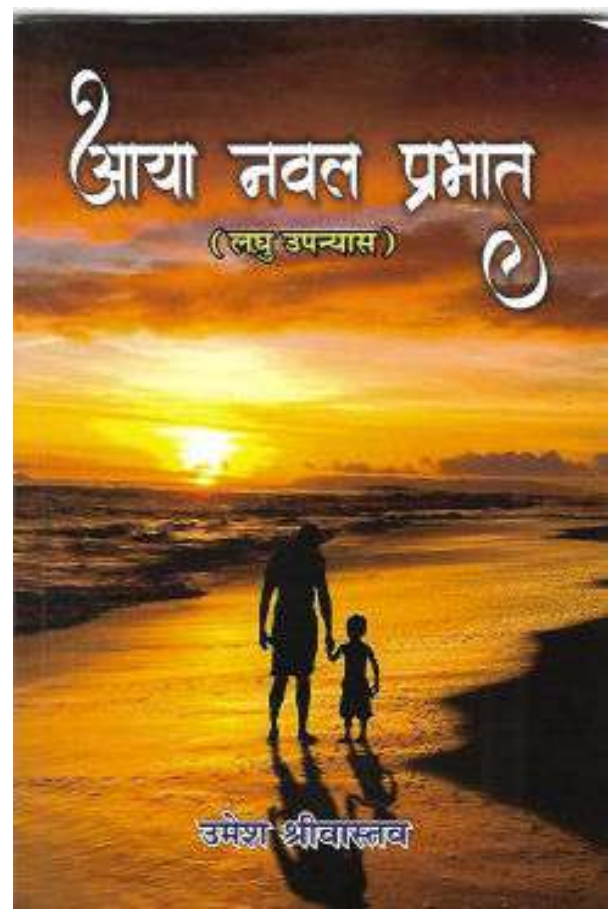

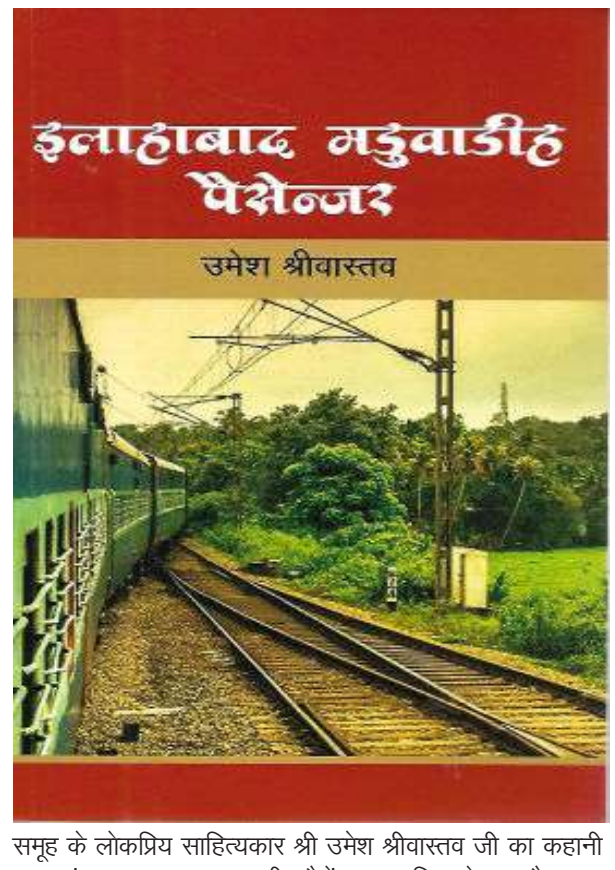

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

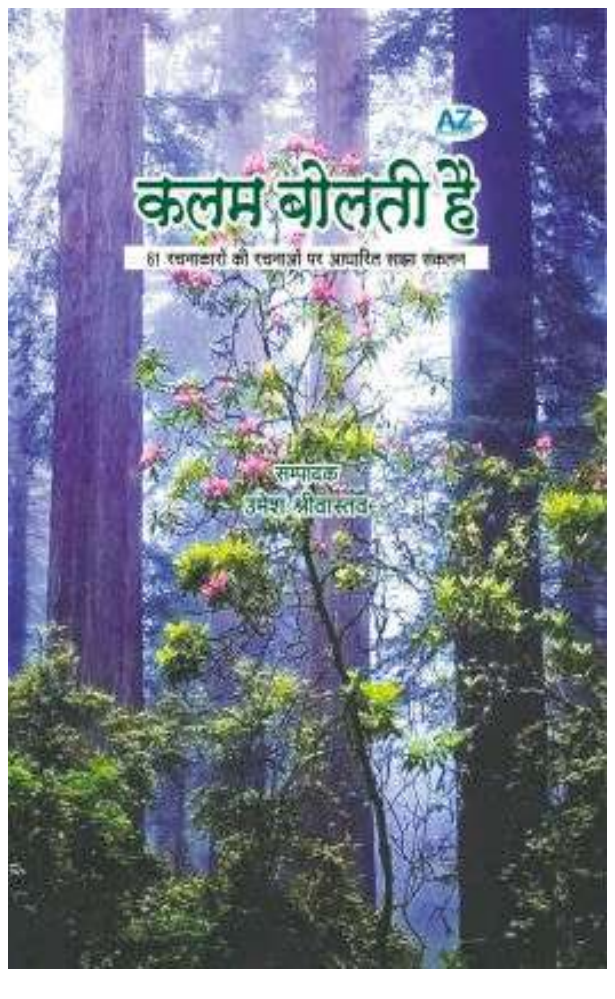

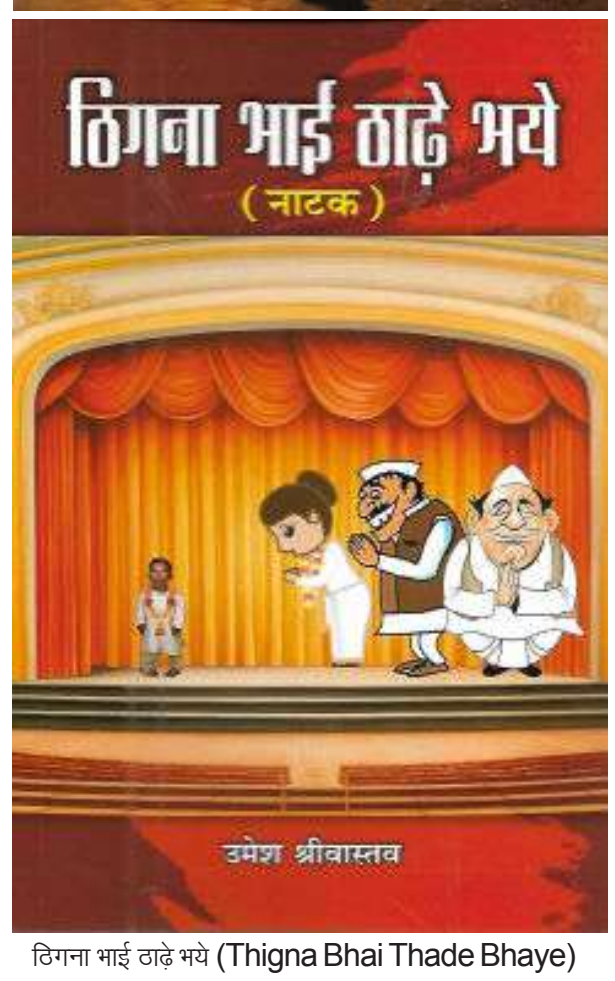

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत को निशाना बनाने वाली कट्टरपंथी गतिविधियों को हवा देने की खबरों को तुर्किये ने नकारा

भारत और अन्य देशों को निशाना बनाकर कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल होने की खबरों को तुर्किये ने बुधवार को पूरी तरह से भ्रामक बताकर खारिज कर दिया है। तुर्किये के संचार निदेशालय के 'काउंटरिंग डिसइंफॉर्मेशन सेंटर' ने एक बयान में कहा कि खबरों में यह दावा किया गया है कि "तुर्किये भारत में आतंकवादी कृत्यों से जुड़ा हुआ है और आतंकवादी समूहों को साजो–सामान, राजनयिक और वित्तीय सहायता प्रदान

करता है। इसमें कहा गया, "यह दावा द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है।" केंद्र ने कहा कि तुर्किये के भारत या किसी अन्य देश को निशाना बनाकर "कट्टरपंथी गतिविधियों" में शामिल होने का दावा "पूरी तरह से भ्रामक है और इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है।" गौरतलब है कि सोमवार शाम को भारतीय राजधानी में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में घातक विस्फोट हुआ, जिसमें 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए थे। जांच के दौरान पाया गया कि दिल्ली विस्फोट के दो मुख्य संदिग्धों ने तुर्किये की यात्रा की थी।

यूक्रेन के युद्धक्षेत्र एक 'प्रयोगशाला' के रूप में देखा जा सकता है : सेना प्रमुख

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन का युद्धक्षेत्र हमारी सीमाओं पर मौजूद परिस्थितियों के संदर्भ में एक प्रयोगशाला के रूप में है और इसलिए सेना यूक्रेन के युद्धक्षेत्र पर बारीकी से नजर रख रही है। दिल्ली रक्षा वार्ता 2025 में जनरल द्विवेदी ने कहा कि ध्भविष्य के युद्धक्षेत्र की बात करें तो यह मुकाबले और प्रतिस्पर्धा का युग है। सेना प्रमुख ने कहा, ''दीर्घकालीन शांति खत्म हो रही है और व्यापक संघर्ष बढ़ रहे हैं, जिसका मतलब है कि प्रौद्योगिकी का

अत्यधिक उपयोग हो रहा है... आज आप जहां चाहें वहां प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, "दुनिया में 50 से अधिक संघर्ष चल रहे हैं और 100 से ज़्यादा देश इसमें किसी न किसी रूप में शामिल हैं३... मैं पहले इसे 90 कहता था, लेकिन मुझे सुधारा गया, अब यह संख्या 100 से अधिक है।" सेना प्रमुख ने कहा, ''विशेष रूप से यूक्रेन के युद्धक्षेत्र पर हम कड़ी नजर रख रहे हैं, क्योंकि हमारी सीमाओं पर जो परिस्थितियां हैं, उनके संदर्भ में यह एक जीवित प्रयोगशाला है।'' उन्होंने कहा, "ड्रोन बख़्तरबंद टुकड़ियों का पीछा कर रहे हैं, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) रेडियो संकेतों को जाम कर रहा है, सटीक मारक हमले 100 किलोमीटर से कहीं आगे तक पहुंच रहे हैं, जबकि सूचना अभियानों के जरिए युद्ध उस समय ही जीत लिए जा रहे हैं जब एक भी गोला दागा नहीं गया होता।

बांग्लादेश में इस महीने होंगे चुनाव! राष्ट्र के नाम संबोधन में अंतरिम सरकार के मुखिया युनूस ने क्या बड़ा ऐलान किया

देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने गुरुवार को कहा कि देश राज्य सुधार के लिए अपने श्जुलाई चार्टरश को लागू करने पर राष्ट्रीय जनमत संग्रह कराएगा, जिसे पिछले साल के घातक छात्र–नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी दोहराया कि संसदीय चुनाव फरवरी में होंगे और वे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होंगे। जुलाई चार्टर का उद्देश्य देश की राजनीति और संस्थाओं को नया स्वरूप प्रदान करना तथा 2024 के विद्रोह को संवैधानिक मान्यता प्रदान करना है, जिसके कारण लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को भारत भागने पर मजबूर होना पड़ा था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने अक्टूबर में चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पिछले साल के आंदोलन के नेताओं और चार वामपंथी दलों द्वारा गठित नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ने इसका बहिष्कार किया था। एनसीपी ने कहा कि वह चार्टर में की गई प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए कानूनी ढाँचे या बाध्यकारी गारंटी के अभाव के कारण इससे दूर रही। समर्थक चार्टर को संस्थागत सुधार की नींव के रूप में देखते हैं। आलोचकों का कहना है कि कानूनी ढाँचे या संसदीय सहमति के बिना इसका प्रभाव काफी हद तक प्रतीकात्मक हो सकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

फिलीपींस में बाढ़ से तबाही: 86 निर्माण कंपनियों पर भ्रष्टाचार का आरोप, राष्ट्रपति बोले- ताकतवर नेता जेल जाएंगे

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर ने गुरुवार (13 नवंबर, 2025) को कहा कि देश के कई ताकतवर नेता और अमीर लोग क्रिसमस तक जेल पहुंच जाएंगे। फर्डिनांड मार्कोस जूनियर ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी परियोजनाओं में घोटाले के चलते कम से कम 37 ताकतवर सांसद, कांग्रेस के सदस्य और अमीर बिजनेस मैन को क्रिसमस तक जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने जनता के गुस्से और सड़कों पर हो रहे प्रदर्शनों को रोकने की कोशिश में ये बयान दिया। मार्कोस जूनियर ने कहा कि उनकी ओर से बनाए गए एक स्वतंत्र आयोग ने 37 संदिग्धों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर लिए हैं। ये

मामले रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और लूटपाट जैसे गैर–जमानती अपराधों के लिए दर्ज किए गए हैं। उन्होंने ये भी कहा कि 86 निर्माण कंपनी के अधिकारियों और नौ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भी आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इन पर टैक्स चोरी कर करीब 152 मिलियन अमेरिकी डॉलर गबन करने का आरोप है। फिलीपींस के राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे मालूम है कि क्रिसमस से पहले जिनके नाम पर भी मामले चल रहे हैं, वो खत्म हो जाएंगे और जेल पहुंच जाएंगे। हम दिखावे के लिए मुकदमा नहीं दर्ज करते हैं। हम लोगों को जेल में डालने के लिए मुकदमे दर्ज करते हैं।श्श उन्होंने कहा कि ये मुकदमे मजबूत थे और इनका मकसद चोरी किए गए पैसों को वापस पाना था। उन्होंने कहा सरकार की एंटी–मनी लॉन्ड्रिंग काउंसिल ने भ्रष्टाचार के आरोपियों के 1671 बैंक खातों, 144 संपत्तियों, 244 वाहनों और 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अन्य संपत्तियों को जब्त करने के लिए 7 आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जांच से कोई भी नहीं बच पाएगा और किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। देश भर में घटिया, दोषपूर्ण या गैर–मौजूद बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराया गया है। फिलीपींस जैसे देश में यह खास तौर पर एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि यहां घातक तूफान, बाढ़ और भीषण मौसम से प्रभावित एशिया के देशों में शामिल है। बीते हफ्ते आए तूफान कालमेगी की वजह से फिलीपींस में कम से कम 232 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातक अचानक आई बाढ़ का शिकार बने। देश के मध्य भाग में 125 लोग अभी भी लापता हैं। इसके कुछ ही दिनों बाद फिलीपींस के उत्तरी हिस्से में भीषण तूफान फंग–वोंग ने कहर बरपाया, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई। तूफान फंग–वोंग की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते लाखों लोगों पर असर पड़ा और दो लोग लापता हो गए।

बांग्लादेश फिर से हिंसा और बम के धमाकों से क्यों दहल उठा है ? क्या शेख हसीना की वापसी ?

भारत में निर्वासित बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने घोषणा की है कि देश में उनकी वापसी सहभागी लोकतंत्र की बहाली, उनकी अवामी लीग पार्टी पर प्रतिबंध हटाने और स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों के आयोजन पर निर्भर करती है। भारत में एक अज्ञात स्थान से पीटीआई को दिए एक विशेष ईमेल साक्षात्कार में, हसीना ने मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुँचाने और चरमपंथी ताकतों को मज़बूत करने का आरोप लगाया। अपनी विदेश नीति की तुलना वर्तमान अंतरिम सरकार से करते हुए, उन्होंने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच ष्व्यापक और गहरेष संबंधों को ष्यूनुस के अंतराल की मूर्खताष का सामना करने में सक्षम होना चाहिए।

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ गुरुवार को आने वाले अहम फैसले से पहले, पिछले दो दिनों से बांग्लादेश में आगजनी और देसी बम हमले हो रहे हैं, जिससे 2024 में हुए उग्र छात्र विरोध प्रदर्शनों की यादें ताज़ा हो गई हैं, जिसमें 500 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। हसीना की अवामी लीग द्वारा ढाका में तालाबंदी के आह्वान के बाद, गुरुवार को राजधानी ढाका किले में तब्दील हो गई, जहाँ पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) दोनों ही भारी संख्या में तैनात थे। ढाका के प्रवेश द्वारों पर कई चौकियाँ बनाई गई हैं और सार्वजनिक परिवहन की गहन जाँच की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) के आसपास भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, जो हसीना और उनके शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में अपना फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री, जो पिछले साल अगस्त में भारत भाग गई थीं, पर हत्या और साजिश सहित कई आरोप हैं। द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के अनुसार, ताज़ा राजनीतिक उथल–पुथल ने ढाका में जनजीवन को ठप्प कर दिया है। आगजनी और देसी बम हमलों की घटनाएँ राजधानी से आगे बढ़कर गाज़ीपुर और ब्राह्मणबरिया जैसे शहरों तक फैल गई हैं। सरकार ने इस हिंसा के लिए अवामी लीग समर्थकों को ज़िम्मेदार ठहराया है। ब्राह्मणबरिया में, ग्रामीण बैंक की एक शाखा में आग लगा दी गई, जिससे सारा फ़र्नीचर और दस्तावेज़ नष्ट हो गए। ग्रामीण बैंक की स्थापना मुहम्मद यूनुस, जो वर्तमान में बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख हैं, ने 1983 में गरीबों को लघु ऋण प्रदान करने के लिए की थी।

27वां संविधान संशोधन पारित, आसिम मुनीर को आजीवन पद

चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज व संवैधानिक अदालत स्थापित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने बुधवार को भारी हंगामे के बीच 27वां संविधान संशोधन विधेयक दो–तिहाई बहुमत से पारित कर दिया। यह विधेयक देश में 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' के नए पद के सृजन, फील्ड मार्शल को आजीवन पद पर बने रहने देने और सांविधानिक अदालत की स्थापना का प्रावधान करता है। इस विधेयक के पारित होने से फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की शक्तियों में इजाफा हो गया है व अब आजीवन फील्ड मार्शल बने रहेंगे। हालांकि, अभी इस विधेयक पर राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी का इंतजार है, उनकी इजाजत के बाद यह कानून बन जाएगा। कानून मंत्री आजम नजीर तारड़ ने मंगलवार को यह विधेयक नेशनल असेंबली में पेश किया था, जिसे एक दिन पहले सीनेट से मंजूरी मिल चुकी थी। बुधवार को असेंबली में विपक्ष के बहिष्कार के बीच विधेयक की सभी 59 धाराओं को मंजूरी दे दी गई। मतदान के दौरान 234 वोट पक्ष में और केवल चार विरोध में पड़े। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों ने विरोध जताते हुए विधेयक की प्रतियां फाड़ दीं और उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी की ओर उछाल दिया। सत्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो–जरदारी मौजूद रहे। कानून मंत्री तारड़ ने इसे विकासशील और विचारपूर्ण संवैधानिक सुधार प्रक्रिया बताया। विपक्षी गठबंधन तेहरीक तहफ्फुज–ए–आईन–ए–पाकिस्तान (टीटीएपी) ने इस संशोधन के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी, हालांकि संसद के बाहर कोई बड़ा विरोध नहीं देखा गया।

विधेयक के प्रमुख प्रावधान

बता दें कि इस विधेयक के अनुसार राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज की नियुक्ति करेंगे। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद 27 नवंबर 2025

को समाप्त हो जाएगा।आर्मी चीफ, जो अब चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज भी होंगे और प्रधानमंत्री से सलाह लेकर नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड के प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। विधेयक में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि यह प्रमुख हमेशा पाकिस्तानी सेना से होगा। सरकार अब सेना, वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों को क्रमशः फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट जैसे उच्च रैंक तक पदोन्नत कर सकेगी। वहीं फील्ड मार्शल का दर्जा जीवनभर रहेगा।

शेख हसीना के खिलाफ मुकदमे में 17 नवंबर को आएगा फैसला, हिंसा का डर; हाई अलर्ट पर बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश की विशेष अदालत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणश पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगी। फैसले को देखते हुए बांग्लादेश में तनाव का माहौल है। गुरुवार को शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बंद का एलान किया है। अवामी लीग के बंद के चलते राजधानी ढाका में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है और लॉकडाउन जैसे हालात हैं।

बांग्लादेश हाई अलर्ट पर है। अभियोजक टीम के एक सदस्य ने बताया कि अपराध न्याधिकरण तय शेड्यूल के मुताबिक ही अपना फैसला सुनाएगा। अवामी लीग के बंद और शेख हसीना के खिलाफ फैसले को देखते हुए सरकार ने ढाका में सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और दंगा रोधी पुलिस के जवानों की तैनाती की है। ढाका की सड़कें खाली दिखाई दे रही हैं, बसों की आवाजाही भी सीमित है। कई निजी संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने अपनी कक्षाएं ऑनलाइन चलाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ढाका, मुंशीगंज, सेंट्रल तंगैल और दक्षिण पश्चिमी गोपालगंज इलाके में अज्ञात लोगों ने पांच खाली बसों को आग लगा दी। शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में 17 नवंबर को फैसला सुनाया जाएगा। अभियोजन पक्ष ने शेख हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की है। शेख हसीना के साथ ही इस मामले में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख अब्दुल्ला अल मनुन भी आरोपी हैं। इन पर आरोप है कि इन लोगों ने बीते साल छात्र आंदोलन को कुचलने की कोशिश की। इसी छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था और बांग्लादेश छोड़कर भारत आना पड़ा था। शेख हसीना ने अपने ऊपर लगे आरोपों को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उनके खिलाफ यह पूरा केस राजनीतिक साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मामले पर सुनवाई कर रहा ट्रिब्यूनल निष्पक्ष नहीं है।

दक्षिण कोरिया के ग्योंगगी प्रांत में हादसा, भरे बाजार में घुसा बेकाबू ट्रक; दो की मौत और कई घायल

ग्योंगगी। दक्षिण कोरिया के बुचॉन शहर (ग्योंगगी प्रांत) में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक ट्रक एक बाजार में घुस गया। इस हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रक अचानक बेकाबू हो गया और करीब 150 मीटर तक तेज रफ्तार में बाजार के अंदर घुसता चला गया। इस दौरान उसने कई दुकानों और लोगों को टक्कर मार दी।

हादसे के दौरान नशे में नहीं था ट्रक चालक

मामले में आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि हादसा उस

वक्त हुआ जब बाजार में भीड़ थी और कई लोग खरीदारी कर रहे थे। ट्रक पहले लगभग 28 मीटर पीछे की ओर गया, फिर अचानक तेज रफ्तार से आगे बढ़ते हुए दुकानों की कतार में जा टकराया। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर ने गाड़ी के अचानक तेज होने को हादसे की वजह बताया है। जांच में यह भी पाया गया कि चालक शराब या किसी नशे के प्रभाव में नहीं था। इस दुर्घटना में घायल होने वालों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर है। हादसे की पूरी जांच जारी है ताकि यह पता चल सके कि ट्रक में कोई तकनीकी खराबी थी या मानवीय गलती से यह दुर्घटना हुई। इस भीषण हादसे के बाद इलाके में सन्नाटा पसरा है। हर दिन भीड़–भाड़ रहने वाले बाजार में हादसे के कई निशान मौजूद है। फिलहाल, स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और पीड़ितों की मदद के लिए राहत कार्य शुरू कर दिए हैं।

बलूचिस्तान में बगावत की आग भड़कने से दहशत में पाकिस्तान, लगाया इंटरनेट पर बैन

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गृहयुद्ध जैसे हालात गहराते जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से आम नागरिकों की हत्याओं और बलोच नेताओं के अपहरण की घटनाओं के बीच बलूचिस्तान में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी सुरक्षा अलर्ट के बाद राजधानी क्वेटा को छोड़कर पूरे बलूचिस्तान प्रांत में इंटरनेट बैन लगा दिया गया है। बलूचिस्तान प्रांत की सरकार के गृह विभाग की ओर से बुधवार (12 नवंबर, 2025) को जारी अलर्ट के बाद 16 नवंबर, 2025 तक के लिए मोबाइल इंटरनेट को बैन कर दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग एन–70 के लोरलाई खंड तक गाड़ियों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। ये रोक 14 नवंबर तक जारी रहेगी। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का ये फैसला प्रांत में सुरक्षा अलर्ट और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है। अधिकारियों ने ये भी एलान किया कि क्वेटा के कैंटोनमेंट इलाके के सारे स्कूल सुरक्षा कारणों से 16 नवंबर तक बंद रहेंगे। बलूचिस्तान प्रांत के अधिकारियों ने कहा, श्श्प्रांत के सारे ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। क्वेटा में ये प्रतिबंध लागू नहीं होगा।श्श हालांकि बुधवार को क्वेटा में कई इंटरनेट यूजर्स ने सेवाओं के काम न करने की शिकायत दर्ज कराई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।